लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 31 मार्च, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 217

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"रोज़ाना की छोटी-छोटी मेहनत ही एक दिन बड़ी सफलता बनकर सामने आती है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

देश के 99.92 प्रतिशत गांव 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा, बैंक मित्र, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) उपलब्ध हैं

नई दिल्ली। सरकार का प्रयास है कि देश के सभी आबाद गांवों से 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाओं (बैंक शाखा/बैंक मित्र (बीसी)/इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बैंकिंग सुविधाओं की उपलब्धता की निगरानी जन धन दर्शक (जेडीडी) ऐप नामक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित एप्लिकेशन द्वारा की जाती है। बैंकों द्वारा जन धन दर्शक ऐप पर अपलोड किए गए आंकड़ों के आधार पर देश के 99.92 प्रतिशत गांवों और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के 100 प्रतिशत गांवों में 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं (बैंक शाखा/बैंक मित्रों/आईपीपीबी) उपलब्ध हैं (दिनांक 06 मार्च, 2026 तक)। बैंकिंग अवसंरचना के विस्तार में प्रमुख बाधाएं कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे की कमी के साथ-साथ उपयुक्त परिसरों की अनुपलब्धता हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार, जिन क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां बैंकिंग आउटलेट खोलना एक सतत प्रक्रिया है जिसकी देखरेख राज्य-स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी)/केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति (यूटीएलबीसी) संबंधित राज्य सरकार, सदस्य बैंकों और अन्य हितधारकों के परामर्श से करती है। बैंक, आरबीआई के निर्देशों, अपनी व्यावसायिक योजनाओं और व्यावसायिक व्यवहार्यता के आधार पर बैंकिंग आउटलेट खोलने के प्रस्तावों पर विचार करते हैं। बैंकिंग आउटलेट खोलने की व्यवहार्यता का और आकलन करने के लिए, बैंक आवश्यकतानुसार सर्वेक्षण करते हैं। वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने आज लोकसभा में यह जानकारी दी।

आगरा पुलिस ने बच्ची की हत्या के मामले में फरार चल रहे इनामी को मुठभेड़ में किया ढेर

आगरा। आगरा के थाना ताजगंज स्थित गोबर चौकी में 24 मार्च को बच्ची की हत्या में फरार चल रहे 25000 रुपए के इनामी सुनील को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। वहीं, एक दरोगा भी गोली लगने से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि आठ वर्षीय बच्ची की निर्मम हत्या के मामले में फरार सुनील कुमार के बारे में शनिवार की सुबह सूचना मिली कि बमरौली कटरा क्षेत्र में मौजूद है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी की थी। अपने आपको घिरता देख आरोपी ने पुलिस के ऊपर कई राउंड फायर कर दिया, जिसमें एक दरोगा भी घायल हो गए। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें सुनील को गोली लग गई। पुलिस ने तत्काल सुनील को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, सुनील की गोली से घायल दरोगा का इलाज चल रहा है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की मोटरसाइकिल, एक 315 बोर का तमंचा, छह खोखा कारतूस तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

उत्तर प्रदेश में 'स्कूल चलो अभियान' शुरू, सीएम योगी का संकल्प- कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को खूब पढ़ने और खेलने के लिए प्रेरित करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को संबोधित एक पत्र 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, ''मेरे प्यारे बच्चो, नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं।'' उन्होंने कहा, ''नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें तथा अपने सपनों में रंग भरें।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एक अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।'' उन्होंने कहा, ''विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा।'' पत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय (उत्तराखंड) जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले और आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ।'' उन्होंने कहा, ''विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम और भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी स्वरूप की पहली सीढ़ी उनका गुरुकुल ही था।'' उन्होंने कहा, ''आप सबके लिए भी शिक्षा इसी कर्तव्य पथ का अभिन्न अंग है। स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर आप सभी परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ असंभव लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने बच्चों को तकनीक के सही उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा, ''आज का युग तकनीक का है, इसलिए उसका सही उपयोग करना सीखें। 'स्क्रीन टाइम' के स्थान पर 'एक्टिविटी टाइम' पर ध्यान केंद्रित करें और खूब खेलें-खूब पढ़ें।'' उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान करते हुए कहा, ''अपने बच्चों को उत्तम शिक्षा दिलाने के साथ-साथ अपने आस-पड़ोस के उन बच्चों को भी विद्यालय तक पहुंचाने का संकल्प लें, जो शिक्षा से वंचित हैं।'' उन्होंने कहा, ''सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश नहीं कर पाते और सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं, उनके परिवारों को जागरूक करें।

प्रदेश के 28 लाख छात्रों को मिली 3350 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति, सीएम योगी ने डीबीटी से किया मेगा ट्रांसफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को इंदिरा गांधीप्रतिष्ठान आयोजित कार्यक्रम में छात्रवृत्ति एवं पारिवारिक लाभ योजनाओं के तहत बड़ी धनराशि का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) किया। इस दौरान प्रदेश के कक्षा 9-10 और दशमोत्तर के 27,99,982 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में करीब 3,350 करोड़ रपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि सीधे भेजी गई। ये स्कॉलरशिप सिर्फ एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक सभी वर्गों के छात्रों को दी गई। यानी स्कूल से लेकर कॉलेज तक पढ़ने वाले लाखों छात्रों को इसका फायदा मिला है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न वर्गों के छात्रों को लाभ मिलेगा। इसमें अनुसूचित जाति के 6.68 लाख छात्रों को करीब ₹467.94 करोड़, सामान्य वर्ग के 4.95 लाख छात्रों को ₹779.10 करोड़, अन्य पिछड़ा वर्ग के 13.52 लाख छात्रों को ₹1838.59 करोड़, अल्पसंख्यक वर्ग के 2.75 लाख छात्रों को ₹252.76 करोड़ और अनुसूचित जनजाति के 7,236 छात्रों को करीब ₹11.61 करोड़ की राशि दी जाएगी।

वीबी-जी राम जी कानून पर खरगे ने सरकार को घेरा, कहा- मनरेगा कमजोर कर मजदूरों को छोड़ा बेसहारा

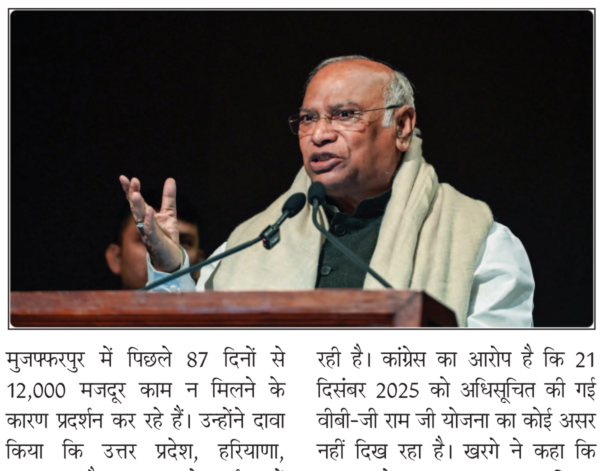

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा के तहत मिलने वाले काम के अधिकार को खत्म कर दिया और नई घोषित योजना का जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं दिख रहा। खरगे ने कहा कि इससे लाखों मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है।

खरगे ने कहा कि सरकार ने जिस वीबी-जी-राम जी योजना का प्रचार किया। वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कोविड काल की बात करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसी समय मनरेगा ने लाखों मजदूरों को राहत दी थी। अब हालात यह हैं कि कई राज्यों में काम बंद होने की शिकायतें आ रही हैं।

खरगे ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पिछले 87 दिनों से 12,000 मजदूर काम न मिलने के कारण प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से भी मनरेगा के काम रुकने की खबरें सामने आ रही हैं। कुछ जगहों पर अधिकारियों को नए काम शुरू न करने के निर्देश मिलने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि 21 दिसंबर 2025 को अधिसूचित की गई वीबी-जी राम जी योजना का कोई असर नहीं दिख रहा है। खरगे ने कहा कि सरकार ने इसका खूब प्रचार किया, लेकिन मजदूरों को इसका कोई फायदा नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुरानी योजना कमजोर की जा रही है, तो नई योजना लागू क्यों नहीं हो रही।

चुनाव प्रचार में राहुल ने मेड इन इंडिया पर पूछे सवाल ; भाजपा को 'छिपी हुई ताकत' बताया

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी केरल दौरे पर सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहे। यह भाजपा और एलडीएफ के मिलकर काम करने का संकेत है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनावों में माकपा और भाजपा के 'संयोजन' का सामना कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा यूडीएफ को नहीं चाहती। उन्हें पता है कि देश में कांग्रेस ही उन्हें चुनौती दे सकती है। भाजपा समझती है कि एलडीएफ उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती नहीं दे सकता। दिल्ली में सत्ता में होने पर केरल में कोई भी एलडीएफ सरकार उनके नियंत्रण में रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से लड़ने वालों पर हमला होता है। राहुल ने बताया कि उन पर 36 मामले हैं और 55 घंटे लगातार पूछताछ हुई। केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती। एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट है, लेकिन भाजपा का उन पर कोई दबाव नहीं है। प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों और धर्म की बात करते हैं। लेकिन पलक्कड़ दौरे पर वे सबरीमाला की घटना को भूल गए।राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एलडीएफ नेताओं ने अयप्पा मंदिर से सोना चुराया। उन्होंने पीतल से उसे बदल दिया। प्रधानमंत्री भाजपा को नुकसान से बचाने के लिए चुप रहे। यह दर्शाता है कि भाजपा और एलडीएफ साथ काम कर रहे हैं। यह भी दिखाता है कि नरेंद्र मोदी को धर्म या मंदिरों की परवाह नहीं है। यूडीएफ सरकार मंदिर से संबंधित कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करेगी।

एलडीएफ पर कॉर्पोरेट-समर्थन के आरोप

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एलडीएफ अब वामपंथी पार्टी जैसा व्यवहार नहीं करता। उनकी नीतियां भाजपा की तरह ही कॉर्पोरेट-समर्थित हैं। यूडीएफ ने अतीत में रबर किसानों का समर्थन किया था। एलडीएफ रबर श्रमिकों को मुआवजा देने से इन्कार करता है। कांग्रेस रबर किसानों और श्रमिकों को मूल्य उतार-चढ़ाव से बचाएगी। बाजार के प्रतिकूल होने पर उन्हें व्यवस्थित रूप से संरक्षित और मुआवजा दिया जाएगा।

मोदी-ट्रंप संबंध और केरल के मुद्दे

राहुल ने आरोप दोहराया कि मोदी वित्तीय सौदों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप से समझौता कर चुके हैं। संसद में यह मुद्दा उठाने पर प्रधानमंत्री ने जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जैसे ट्रंप मोदी को नियंत्रित करते हैं, वैसे ही प्रधानमंत्री केरल के मुख्यमंत्री को नियंत्रित करते हैं।

भाजपा पर ममता का 'बांटो और राज करो' का आरोप, कहा हिंदू-मुस्लिम को बांटकर देश लूट रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। मुख्यमंत्री ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सरकार के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, "पहला आरोपपत्र उनके (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह) खिलाफ दाखिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने दंगे भड़काकर सत्ता हासिल की।"

उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, "भाजपा समाज के सभी वर्गों में झगड़ा करा रही है। वह ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है।" उन्होंने भाजपा पर प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं तक सभी मामलों में हिंदू और मुसलमानों को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सिविल सेवा के सदस्यों और "उत्कृष्ट कार्य करने वालों" समेत कई सरकारी अधिकारियों का अपमान किया जा रहा है।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव', भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी।

'लोगों को धमका रहीं ममता बनर्जी'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनीं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है।' उन्होंने बताया, 'भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दादागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है। लोकतंत्र में वोट एक मतदाता का अधिकार होता है, उसे कोई नहीं छीन सकता है। चुनाव आयोग को मतदाता के वोट को सुरक्षित करना चाहिए।' केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाए कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस मशीनरी पर तृणमूल कांग्रेस ने पूरा कब्जा करके रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बंगाल के प्रशासन और पुलिस तंत्र को अपने नियंत्रण में पूरी तरह से लेना चाहिए।

किरेन रिजिजू ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जनता तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ है। लोग आवाज उठा रहे हैं। ममता बनर्जी चुनाव हारने जा रही हैं। इससे टीएमसी बौखला चुकी है। इसी के कारण तृणमूल कांग्रेस पूरे चुनाव को हाईजैक करना चाहती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हमने सभी विषय चुनाव आयोग के सामने रखे हैं। हमें सकारात्मक जवाब मिला है। आयोग ने हमें आश्वासन दिया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जो कुछ करना होगा, उसके लिए कदम उठाए जाएंगे।'

दिल्ली हाई कोर्ट और विधानसभा समेत कई संस्थानों को भेजी फर्जी धमकियां, पुलिस के हत्थे चढ़ा मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में हड़कंप मचाने वाले फर्जी धमकी संदेशों के मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कर्नाटक के मैसूर से एक 47 साल के शख्स को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर 1,000 से ज्यादा फर्जी धमकी भरे मैसेज भेज चुका था। आरोपी की पहचान श्रीनिवास लुइस के रूप में हुई है। उसे दिल्ली पुलिस ने मैसूर में उसके किराए के घर से पकड़ा। इस ऑपरेशन को दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मिलकर अंजाम दिया। अब आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है ताकि इन फर्जी धमकी भरे मैसेज भेजने के पीछे का सच पता किया जा सके। दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों से देश के कई बड़े संस्थानों, अदालतों और सरकारी दफ्तरों को लगातार धमकी भरे संदेश मिल रहे थे, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हलचल मची हुई थी। इन संदेशों में बम धमाके जैसी गंभीर धमकियां दी जाती थीं। इतना ही नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट, दिल्ली विधानसभा और कई शैक्षणिक संस्थान भी इनका निशाना बने। हर बार ऐसे मैसेज मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी जाती थी, जांच की जाती थी और लोगों में डर का माहौल बन जाता था। हालांकि, जांच में बाद में ये सभी धमकियां फर्जी निकलीं। लेकिन तब तक पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को काफी संसाधन और समय लगाना पड़ता था। यही वजह है कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया और आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक, टेक्निकल सर्विलांस और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए आरोपी श्रीनिवास लुइस तक पहुंचा गया।

बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर, नीतीश कुमारऔर नितिन नवीन ने दिया इस्तीफा, नए मुख्यमंत्री फेस पर सस्पेंस

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में सोमवार का दिन काफी अहम साबित हुआ जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने-अपने सदनों से इस्तीफा दे दिया। इस खबर ने सोमवार सुबह से एक नई सियासी पारी की शुरुआत के संकेत दे दिए। दरअसल दोनों नेताओं ने क्रमशः बिहार विधान परिषद और बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ दी और यह कदम उन्होंने राज्यसभा में चुने जाने के बाद उठाया।

दिलचस्प बात यह रही कि दोनों नेताओं ने अपने इस्तीफे खुद जाकर नहीं बल्कि प्रतिनिधियों के जरिए भेजे। जहाँ नीतीश कुमार का इस्तीफा एमएलसी संजय गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ मिलकर परिषद के सभापति को सौंपा, वहीं नितिन नवीन का पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष तक पहुंचाया। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सदन के एक बेहद महत्वपूर्ण और समर्पित नेता रहे हैं जिन्होंने हमेशा बिहार के हित को प्राथमिकता दी।

दरअसल 16 मार्च को दोनों नेता राज्यसभा के लिए चुने गए थे और नियमों के मुताबिक उन्हें 30 मार्च तक राज्य की किसी एक सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी था। संविधान के अनुच्छेद 101 और 190 के तहत बने नियम साफ कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद और राज्य विधानसभा का सदस्य नहीं रह सकता और उसे 14 दिनों के भीतर एक पद छोड़ना ही होगा।

नितिन नवीन के इस्तीफे को लेकर संजय सरावगी ने बताया कि नवीन पहले से ही दिल्ली और असम के कार्यक्रमों में व्यस्त थे इसलिए उन्होंने पटना छोड़ने से पहले ही अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया था, जिसे सोमवार को स्पीकर को दे दिया गया। वहीं नवीन ने पटना के बांकीपुर क्षेत्र के लोगों के नाम एक भावुक संदेश भी लिखा- 'उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है लेकिन अपने क्षेत्र के लोगों से उनका रिश्ता हमेशा बना रहेगा।' दूसरी तरफ विजय कुमार चौधरी ने बताया कि नीतीश कुमार ने भी अपना इस्तीफा पहले ही संजय गांधी को सौंप दिया था और अब उसे औपचारिक रूप से जमा कराया गया। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार हमेशा संवैधानिक मूल्यों का पालन करने वाले नेता रहे हैं और यह फैसला भी उसी परंपरा का हिस्सा है।

बिजू पटनायक पर सीआईए टिप्पणी से भड़के नवीन पटनायक, बोले- भाजपा एमपी को मानसिक इलाज की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री बिजू पटनायक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है।

दुबे की टिप्पणी की निंदा करते हुए, बीजेडी प्रमुख ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि भाजपा सांसद को इन अपमानजनक बातों के लिए किसी मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है। 27 मार्च को एक बयान में दुबे ने दावा किया था कि 1960 के दशक में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान बिजू पटनायक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और सीआईए के बीच कड़ी थे। पटनायक ने कहा कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि दुबे ने बिजू बाबू के बारे में कितनी आपत्तिजनक बातें कही हैं। मुझे नहीं लगता कि नेहरू ने दिल्ली में उनके कार्यालय के बगल में कोई कार्यालय खोला था, जब बिजू बाबू अभी भी ओडिशा के मुख्यमंत्री थे, ताकि चीनियों से लड़ने और रणनीति बनाने का काम किया जा सके।

पुरानी यादों में खोते हुए उन्होंने कहा कि मैं उस समय बहुत छोटा था, लगभग 13 साल का, और मुझे याद है कि चीनी हमले को लेकर बिजू बाबू कितने गुस्से में थे और उसे रोकने के लिए उन्होंने क्या-क्या किया था। दुबे के इस बयान से ओडिशा भर में हंगामा मच गया है। बिजू पटनायक के समर्थकों ने भाजपा सांसद पर चीनी युद्ध के इस मामले में उनका नाम घसीटने का आरोप लगाया है।

एक वरिष्ठ बीजेडी नेता ने कहा कि कांग्रेस और नेहरू को दोषी ठहराने की कोशिश में भाजपा सांसद ने बिजू पटनायक का नाम लिया है। इस बीच, दुबे की टिप्पणी के विरोध में बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने उनकी अध्यक्षता वाली संसदीय समिति से इस्तीफा दे दिया।

सास-ससुर के भरण-पोषण के लिए बहू कानूनी रूप से बाध्य नहीं... इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आगरा कोर्ट का फैसला बरकरार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा कि CrPC की धारा 125 जो अब भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 144 है- के तहत एक बहू अपने सास-ससुर का भरण-पोषण करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि स्वर्गीय बेटे की संपत्ति के उत्तराधिकार से संबंधित दलीलें भरण-पोषण कार्यवाही में विचार के दायरे में नहीं आती हैं।

पिछले दिनों जारी आदेश में, जस्टिस मदन पाल सिंह ने सुनवाई के दौरान कहा कि भरण-पोषण का दावा करने का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है और यह सिर्फ उन व्यक्तियों की श्रेणियों तक ही सीमित है जिनका उल्लेख इस धारा में स्पष्ट रूप से किया गया है, और सास-ससुर उस दायरे में नहीं आते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि एक नैतिक दायित्व, चाहे वह कितना भी बाध्यकारी क्यों न लग रहा हो, किसी वैधानिक आदेश के अभाव में कानूनी दायित्व के रूप में लागू नहीं किया जा सकता है।

एक बुजुर्ग दंपति की ओर से अपनी बहू के खिलाफ दायर एक पुनरीक्षण याचिका (Revision Petition) को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा, "विधायिका ने, अपने विवेक से, सास-ससुर को संबंधित प्रावधानों के दायरे में शामिल नहीं किया है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो विधायिका की यह मंशा नहीं रही कि उक्त प्रावधान के तहत एक बहू पर अपने सास-ससुर के प्रति भरण-पोषण का दायित्व डाला जाए।"

बुजुर्ग दंपति ने आगरा की एक फैमिली कोर्ट द्वारा अगस्त 2025 में पारित एक आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 144 के तहत भरण-पोषण की मांग करने वाले उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया था। दंपति की ओर से यह दलील दी गई कि वे बुजुर्ग, अनपढ़, गरीब थे और अपने बेटे के जिंदा रहने तक पूरी तरह से उस पर ही निर्भर थे।

अनुकंपा के आधार पर बहू को नहीं मिली नौकरी

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि उनकी बहू, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के रूप में कार्यरत है, के पास अपने स्वर्गीय पति के सभी सर्विस और रिटायरमेंट सुविधा लेने के अलावा पर्याप्त स्वतंत्र आय भी है। उनका यह भी तर्क था कि अपने बुजुर्ग सास-ससुर का भरण-पोषण करने के बहू के "नैतिक दायित्व" को कानूनी दायित्व के रूप में माना जाना चाहिए। लेकिन, कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी कहीं जिक्र नहीं दिखा जिससे यह संकेत मिले कि बहू की पुलिस में नौकरी अनुकंपा के आधार पर मिली थी। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि दिवंगत बेटे की संपत्ति के उत्तराधिकार से संबंधित दलीलें इस तरह की संक्षिप्त भरण-पोषण कार्यवाही में विचार के दायरे में नहीं आती हैं।

बहलोलपुर की बहु बनी पीसीएस अफसर

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। क्षेत्र बहलोलपुर गांव की बहू का यूपीएससी परीक्षा 2024 में चयन होने से परिवारी जनों ने खुशी जाहिर की है। बता दे कि स्थानीय विकास खंड के बहलोलपुर राजूपुर गांव निवासी हनुमान प्रसाद तिवारी की बहू अवंतिका तिवारी ने यूपीएससी परीक्षा 2024 में स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अवंतिका तिवारी की शादी साल भर पहले हुई थी। इनके पति अभिषेक तिवारी यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर है जो मऊ में कार्यरत है। तथा ससुर हनुमान प्रसाद तिवारी सीडीए पेंशन प्रयागराज में अकाउंट ऑफिसर है। नायब तहसीलदार के पद पर चयनित अवंतिका तिवारी की प्रारंभिक शिक्षा एसवीएम इंटर कालेज लालगंज अझारा में हुई। जिसके बाद इन्होंने बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स की डिग्री एसआरएमसीईएम लखनऊ से हासिल की। उन्होंने परीक्षा की तैयारी मायके व ससुराल में रहकर की। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों सहित प्रतापगढ़ जिले के जैनपुर लाल गंज अझारा निवासी अपने शिक्षक पिता अजीत कुमार शुक्ला, माता माधुरी शुक्ला सहित ससुर हनुमान तिवारी, सास मंजुलता तिवारी को दिया। उन्होंने बताया कि पूरा परिवार उनके शिक्षण कार्य के लिए सहयोग करते थे जिससे सफलता प्राप्त हुई।

मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाते समय जिंदा जला ग्रामीण, शव देख पड़ोसियों का कांपा कलेजा

आर्यावर्त संवाददाता

मीरगंज (बरेली)। बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव लभेड़ा दुर्गाप्रसाद में मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाते समय एक ग्रामीण की जलकर मौत हो गई। रविवार को हुई इस दर्दनाक घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय हरपाल अविवाहित थे। घर में वह अकेले रहते थे। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही उनकी दोनों बहनें गांव पहुंच गईं। भाई का शव देखकर उनका हाल बेहाल हो गया।

धुआं उठता देख घर में पहुंचे थे पड़ोसी

ग्रामीणों के मुताबिक, रविवार को हरपाल अपने घर में चूल्हे पर खाना बना रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके कपड़ों में आग लग गई। कुछ समय बाद घर से धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। अंदर जाकर देखा तो हरपाल गंभीर रूप से झुलसे पड़े थे। उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। उनकी बहन ने बताया कि भाई हरपाल को दौरे पड़ते थे।

दौरा पड़ने की आशंका

आशंका जताई कि उनके भाई को खाना बनाते समय अचानक दौरा पड़ गया होगा, जिससे बेहोशी की हालत में चूल्हे की आग से जलकर उनकी मौत हो गई। मीरगंज के थाना प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर ने बताया कि रविवार को आग से झुलसकर हरपाल की मौत हुई है। लेकिन परिवार के लोगों ने बिना पोस्टमॉर्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

एसपी ने कई निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

सुल्तानपुर। जिले में पुलिस विभाग में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक चारु निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार कई निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। जारी सूची के अनुसार निरीक्षक राजेश कुमार सिंह को निरीक्षक अपराध थाना बल्दीराय से वाचक पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। निरीक्षक धीरेंद्र कुमार वर्मा को प्रभारी एसओजी से प्रभारी निरीक्षक थाना अखंडनगर की कमान सौंपी गई है। निरीक्षक नारद मुनि सिंह को बल्दीराय से दोस्तपुर तथा निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार सिंह को दोस्तपुर से मोतिगरपुर स्थानांतरित किया गया है। इसी क्रम में निरीक्षक अशोक कुमार सिंह को मोतिगरपुर से प्रभारी चुनाव सेल एवं एंटी भू-माफिया सेल भेजा गया है। निरीक्षक आशीष उपाध्याय को गोसाईंगंज से बल्दीराय, निरीक्षक श्याम सुंदर को कादीपुर से गोसाईंगंज, निरीक्षक दीपेंद्र विक्रम सिंह को वाचक पुलिस अधीक्षक से कादीपुर तथा निरीक्षक विपिन कुमार वर्मा को कानून व्यवस्था सेल एवं जनसूचना से प्रभारी निरीक्षक थाना धम्मौर बनाया गया है।

एटा के जैन परिवार ने रचा अनोखा इतिहास : पहले पुत्र, फिर मां–पिता ने त्यागा गृहस्थ जीवन, सभी ने अपनाया संत मार्ग

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। गृहस्थ जीवन छोड़कर वैराग्य अपनाने की घटनाएं भले ही विरल हों, लेकिन एटा का एक जैन परिवार पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गया है। सुंदरलाल स्ट्रीट निवासी जैन परिवार के तीन सदस्यों ने क्रमबद्ध तरीके से संन्यास लेकर आध्यात्मिक जीवन को समर्पित कर दिया पहले पुत्र, फिर पिता और अंत में मां ने संत जीवन अपना लिया।

घर के इकलौते पुत्र प्रशांत जैन वर्ष 2009 में आचार्य विमर्श सागर महाराज के संपर्क में आए। पढ़ाई में मेधावी होने के बावजूद उनका मन सांसारिक जीवन से हटने लगा। बीकॉम के दौरान और एमसीए में दाखिले के बाद भी उनका रुझान केवल अध्यात्म की ओर बढ़ता गया। इकलौती बहन की दिल्ली में शादी के बाद उन्होंने गृहस्थ मार्ग छोड़ने का निर्णय लिया और 25 नवंबर 2015 को टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) में

आचार्य विमर्श सागर महाराज से मुनि दीक्षा ग्रहण कर मुनि विव्रत सागर बन गए। पुत्र के वैराग्य से प्रभावित पिता मुकुल जैन ने भी कुछ समय बाद गृहस्थ जीवन त्यागने का निश्चय कर लिया। 16 नवंबर 2017 को उन्होंने जबलपुर में आचार्य विमर्श सागर महाराज से मुनि दीक्षा लेकर मुनि विश्वांक सागर का स्वरूप धारण किया और धर्म प्रचार में सक्रिय हो गए।

मां सुमन जैन ने भी अपनाया त्याग, बनीं क्षुल्लिका विप्रांत माताजी

पुत्र और पति दोनों के संन्यासी बनने के बाद मां सुमन जैन ने भी वैराग्य मार्ग अपनाने का निर्णय ले लिया। 3 नवंबर 2019 को दुर्ग (छत्तीसगढ़) में उन्होंने क्षुल्लिका दीक्षा लेकर विप्रांत माताजी के रूप में आध्यात्मिक जीवन में प्रवेश किया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा संन्यास ग्रहण करना जैन समाज में दुर्लभ माना जाता है। परिवार ने अपनी संपूर्ण संपत्ति और संसाधन धर्म को समर्पित कर दिए हैं। वर्तमान में तीनों ही मेरठ में आचार्य विमर्श सागर महाराज के सान्निध्य में तप, जप और प्रवचन परंपरा के माध्यम से धर्म प्रचार कर रहे हैं। मुनि विव्रत सागर महाराज (प्रशांत) बताते हैं कि उन्होंने पहले ब्रह्मचारी जीवन इसलिए अपनाया कि बहन उनके निर्णय से प्रभावित न हो। बहन की शादी के बाद उन्होंने दीक्षा लेकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। बाद में माता-पिता भी उसी राह पर चल पड़े और परिवार ने संपूर्ण रूप से मोक्षमार्ग को समर्पित जीवन अपना लिया।

राष्ट्रीय अवधी संगोष्ठी में सम्मानित हुए ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि को राष्ट्रीय अवधी संगोष्ठी में सम्मानित किया गया है। यह संगोष्ठी भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के भारतीय भाषा संस्थान, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और अवध भारती संस्थान द्वारा लखनऊ के अर्जुनगंज स्थित उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के सभागार में आयोजित थी । इसमें अवधी भाषा और प्रौद्योगिकी संरक्षण संवर्धन एवं भविष्य विषय पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करने के लिए ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान पत्र भारतीय डेटा संस्थान मैसूर के डॉ.सत्येन्द्र कुमार अवस्थी , अवध भारती संस्थान के संस्थापक डॉ राम बहादुर मिश्र और कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप सारंग ने प्रदान किया।

इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि की अवधी भाषा में लगभग एक घंटे की बातचीत रिकार्ड की गई। भारतीय डेटा संस्थान द्वारा इस अवधी गद्य रिकार्डिंग का उपयोग अवधी को गूगल की भाषा बनाने में किया जायेगा।

धर्मेंद्र हत्याकांड: हत्या कर नहाया हीरेश, शर्ट बदलने से पकड़ में आया, शुरू में पुलिस को बरगलाया, फिर टूट गया

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। रविवार की सुबह 11:30 बजते ही शहर के प्रतिष्ठित टीकाराम कन्या महाविद्यालय में चौकीदार की हत्या की खबर ने पुलिस के पसीने छुड़वा दिए। अगले ही घंटे में पार्किंग ठेकेदार हीरेश शर्ट बदलने और नाक पर चोट लगने के चलते संदेह के घेरे में आ गया। पुलिस पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि हत्या के बाद वह घर जाकर नहाया, कपड़े बदले और फिर वापस आकर धर्मेंद्र तलाश करने का नाटक करने लगा।

चौकीदार धर्मेंद्र किशनपुर गली नंबर छह के रहने वाले थे और उनकी अपने पिता स्व. रमेश चंद्र की जगह टीकाराम कन्या महाविद्यालय में मृतक आश्रित के रूप में नौकरी लगी थी। धर्मेंद्र की ड्यूटी इन दिनों सुबह छह बजे से दो बजे तक चल रही थी।

उनके लापता होने की सूचना पर परिजन व कॉलेज स्टाफ खोज रहा

था। 9:30 बजे करीब इलाके की लैपर्ड भी कॉलेज पहुंच गई थी। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ कि धर्मेंद्र ने 6:10 बजे कॉलेज में प्रवेश किया है। उनकी बाइक कॉलेज में ही खड़ी है। कॉलेज आकर उन्होंने बाहरी परिसर में जली हुई लाइटें बंद की हैं। इसके बाद वह पार्किंग की ओर गए।

धर्मेंद्र के कॉलेज आने से कुछ समय पहले करीब 5:45 बजे पार्किंग के ठेकेदार हीरेश निवासी प्रीमियर कॉलोनी थाना गांधी पार्क ने कॉलेज में प्रवेश किया है। फिर वह 7:40 बजे करीब कॉलेज से निकला। पार्किंग के पास खेल रहे बच्चों ने सूखी नाली के सहारे खून के धब्बे होने की ओर इशारा किया। इसी बीच कॉलेज स्टाफ ने संदेह जताया कि एक जगह नाली पर पटिया रखी हैं, जो पहले नहीं थी। इसी संदेह पर पटिया हटाई तो धर्मेंद्र का शव मिल गया। सीओ सर्वम सिंह व अन्य अधिकारियों को मौके पर सबसे पहले पहुंचे पुलिसकर्मियों ने बताया कि हीरेश ने शर्ट बदली है और नाक पर भी चोट लगी है। इसके बाद अधिकारियों ने हीरेश को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। पुलिस ने आरोपी के घर के पास की नाली से धर्मेंद्र का मोबाइल, हत्या में प्रयुक्त पत्थर और आरोपी की खून से सनी शर्ट बरामद की है।

खून बहने पर सांस चलने का अंदेशा

धर्मेंद्र का शव नाली से निकाला गया तो कमर, पेट व गुप्तांग के आसपास का हिस्सा जला हुआ था। पुलिस का अनुसार, केमिकल व सूखे पत्तों को डालकर जलाने की कोशिश की गई, शव नहीं जला तो नाली में छिपा दिया। इसी बीच किसी ने देखा कि नाक से खून बह रहा है। इस पर सांस चलने का अंदेशा जताया गया। साथी स्टाफ ने वहीं सीपीआर दी और उसके बाद मेडकिल कॉलेज ले गए।

तीन बच्चों को लेकर पत्नी का हाल बेहाल

चार भाइयों में सबसे बड़े धर्मेंद्र की हत्या की खबर पर उसकी पत्नी ममता, उसकी बड़ी बेटी व दो बेटों का हाल बेहाल है। परिजन उन्हें संभाल नहीं पा रहे। पत्नी ममता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना से टीकाराम कन्या महाविद्यालय में सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कॉलेज को पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत हॉट स्पॉट के रूप में चिह्नित कर रखा है। गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। लैपर्ड और महिला पुलिसकर्मी भी सक्रिय रहती हैं। पिछले वर्ष यहां एक छात्रा पर हमले की घटना का शोर मचा था, जांच में वह घटना झूठी साबित हुई थी। कॉलेज के छात्रावास में बाहरी छात्राएं व कामकाजी युवतियां भी रह सकती हैं। इसके लिए क्या नियम हैं, सीओ तृतीय सर्वम सिंह इसकी जानकारी करने की बात कर रहे हैं। पुलिस पुरुष स्टाफ का विवरण भी जुटाने का प्रयास कर रही है।

शुरू में पुलिस को बरगलाया, फिर सख्ती बरतने पर टूट गया

थाने में की गई पूछताछ में हीरेश पहले तो वह पुलिस को टहलाता रहा, लेकिन सख्ती बरतने पर टूट गया। उसने बताया कि धर्मेंद्र कमेटी चलाता था। उसे धर्मेंद्र के एक लाख रुपये देने थे, शनिवार शाम उसने तगादा किया था, जिन्हें सुबह देने का वादा किया। वह सुबह खुद पचास हजार रुपये लेकर धर्मेंद्र के आने से पहले कॉलेज आ गया। धर्मेंद्र आया तो उसे वह पार्किंग के पीछे के हिस्से में ले जाकर वहां पचास हजार रुपये देने लगा। इसी बात पर विवाद हुआ तो गुस्से में उसने धर्मेंद्र की हत्या कर दी। हत्या के बाद किसी को संदेह न हो, इसलिए वह लैब सहायक संजीव के पास पहुंचा। उन्हें रोजाना की तरह चाय पीने के लिए ले गया। उन्होंने धर्मेंद्र के विषय में पूछा तो बता दिया कि उसने धर्मेंद्र का पूरा हिसाब कर दिया है। वह अभी कहां है ये नहीं पता। तलाश के दौरान उसने पुलिस के सामने उसने कहा कि वह रुपये लेकर आया था, मगर धर्मेंद्र नहीं आया। इसी बात पर संजीव ने उसके बदले बयान को पकड़ा और पुलिस को जानकारी दी।

खुद को नाबालिग बताते रहे मैनाठेर कांड के तीन गुनहगार, जांच हुई तो बालिग निकले

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मैनाठेर बवाल में आजीवन कारावास की सजा पाए दो सगे भाई समेत तीन दोषियों ने पुलिस और कोर्ट को भी गुमराह करने की हरसंभव कोशिश की थी। तीनों के परिवार के लोगों ने पुलिस को इनकी उम्र से संबंधित दस्तावेज सौंप कर नाबालिग होने का दावा किया। जिस कारण तीन की फाइल किशोर न्यायालय में भेजी गई।

कोर्ट के आदेश पर दस्तावेजों की जांच की गई तो तीनों के दस्तावेज फर्जी पाए गए और मेडिकल जांच में भी सभी के बालिग होने की पुष्टि हुई। इसके बाद तीनों की फाइल वापस एडीजे की कोर्ट में पेश की गई और अन्य दोषियों के साथ इन्हें भी शनिवार को आजीवन कारावास की सजा मिली।

छह जुलाई 2011 की दोपहर मैनाठेर के असालतनगर बघा गांव में हंगामा और बवाल की सूचना पर मौके पर जा रहे डीआईजी अशोक कुमार सिंह और उनके पीआरओ रवि कुमार पर डींगरपुर चौराहे के पास पेट्रोल पंप पर भीड़ ने हमला कर दिया था। उनकी पिस्टल छीन ली थी और पीआरओ का मोबाइल लूट लिया था। पीआरओ की ओर इस मामले में 33 नामजद और तीनों अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

इस मामले में 25 आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। डींगरपुर के प्रधान कामिल समेत 25 आरोपियों के खिलाफ एक अक्तूबर 2011 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई। जिसमें जानलेवा हमला, आगजनी, डकैती, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचे और सरकारी कर्मचारियों पर हमले समेत 10 से ज्यादा धाराएं शामिल की गईं। जिसमें से शाकिर, नवाब और कामिल की मृत्यु हो गई। 26 नवंबर 2011 में घटना में शामिल 25 आरोपियों में से तीन आरोपियों के परिवार की ओर से विवेचक को और कोर्ट में उनको नाबालिग बताते हुए उम्र से संबंधित दस्तावेज पेश किए गए। इसके बाद इन तीन आरोपियों की फाइल किशोर न्याय बोर्ड में भेज दी गई। विवेचक ने कोर्ट में अर्जी लगाकर इनके दस्तावेजों की जांच कराने की मांग रखी।

कोर्ट के आदेश पर सभी के दस्तावेजों की जांच की गई और इनके मेडिकल भी कराए गए। जिसमें सामने आया है कि तीन आरोपी मैनाठेर के असदपुर निवासी मो.मुजीब, उसका भाई तहजीब आलम और मैनाठेर के मिलक नवाब निवासी जाने आलम बालिग हैं और इनके द्वारा कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेज फर्जी हैं। इसके बाद तीनों की फाइल 10 जुलाई 2013 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में भेजी गई थी। अन्य आरोपियों की फाइल के साथ इनकी फाइल पर भी सुनाई हुई। जिसमें शनिवार को अदालत ने अन्य 13 दोषियों के साथ मुजीब, तहजीब और जाने आलम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है जबकि 55-55 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

नाबालिग आरोपियों के मामले में सुनवाई पूरी, जल्द आ सकता है फैसला

मैनाठेर बवाल में शामिल रहे छह नाबालिग आरोपियों की फाइल की सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड में चल रही है। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी हो चुकी है। इस मामले में भी जल्द फैसला आने की उम्मीद है। इन आरोपियों पर भी वह सभी आरोप हैं। जिस धाराओं में शनिवार को 16 दोषियों को सजा सुनाई गई थी।

दस दिन बाद होनी है दोषी ठहराए गए दो सगे भाइयों की बहन की शादी

डीआईजी पर हमला, आगजनी और डकैती के मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए दो सगे भाइयों की बहन की दस दिन बाद शादी होनी है। परिवार के लोग और रिश्तेदारों ने बताया कि परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था। 23 मार्च से पहले दोनों भाई भी तैयारियों में जुटे थे लेकिन 23 मार्च को उन्हें कोर्ट में दोषी करार दे दिया था। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। मैनाठेर के असदपुर निवासी मुजीब और तहजीब आलम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अर्पिता मिश्रा बनीं वाणिज्य कर अधिकारी, परिवार में खुशी की लहर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद की प्रतिभाशाली छात्रा अर्पिता मिश्रा ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए वाणिज्य कर अधिकारी (सीटीओ) पद पर चयन प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता से परिवार ही नहीं, पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। अर्पिता मिश्रा ने केएनआईटी सुलतानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर यह मुकाम हासिल किया। उनके पिता, रवितेंद्र प्रताप मिश्रा, कस्तूरबा विद्यालय कादीपुर में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता सुषमा मिश्रा गृहिणी हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी बहन साक्षी मिश्रा एमबीबीएस के चौथे वर्ष की छात्रा हैं और राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा में अध्ययनरत हैं। परिवार के चचेरे भाई देवेश मिश्रा ने भी आईआईटी कानपुर से बीटेक किया है और वर्तमान में दुबई में इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। अर्पिता की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

हाईकोर्ट की आपत्ति के बाद यूपी में 31 प्रकार के मामलों में सीधे एफआईआर दर्ज नहीं होगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ की आपत्ति के बाद उत्तर प्रदेश में अब 31 प्रकार के मामलों में थानों में सीधे एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। इन मामलों में पहले परिवाद यानी शिकायत दर्ज की जाएगी और न्यायालय के आदेश के बाद ही संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा सकेगी। इस संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण द्वारा राज्यभर के पुलिस अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं।

यह निर्देश हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ द्वारा 25 फरवरी को अनिरुद्ध तिवारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार एवं अन्य मामले में दिए गए आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है। अदालत ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 82 के तहत सीधे एफआईआर दर्ज किए जाने पर आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया था कि कानून के प्रावधानों के अनुरूप प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक है।जारी आदेश के अनुसार अब दहेज और घरेलू हिंसा सहित 31 प्रकार के ऐसे मामलों में, जिनमें कानून के तहत केवल परिवाद का प्रावधान है, पुलिस सीधे एफआईआर दर्ज नहीं करेगी। ऐसे मामलों में थानों पर केवल शिकायत दर्ज की जाएगी, जिसे आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय को भेजा जाएगा। न्यायालय के निर्देश प्राप्त होने के बाद ही संबंधित मामलों में विधिक रूप से एफआईआर दर्ज की जाएगी।डीजीपी द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि जिन मामलों में कानून के अनुसार केवल परिवाद का प्रावधान निर्धारित है, उनमें एफआईआर दर्ज करना विधिसम्मत नहीं है। ऐसे मामलों में न्यायालय की अनुमति के बिना एफआईआर दर्ज करना गलत माना जाएगा।

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 13 जिलों के एसपी के साथ 27 आईपीएएस अधिकारियों के तबादले

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शासन ने सोमवार को 13 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 27 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पुलिस उपायुक्त शशांक सिंह को महोबा का एसपी, विश्वजीत श्रीवास्तव को बहराइच का एसपी और निपुण अग्रवाल को मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। बहराइच के एसपी रामनयन सिंह को नोएडा स्थित 49वीं वाहिनी भेजा गया है। इसके अलावा आईजी ट्रेनिंग चंद्र प्रकाश को सुरक्षा शाखा भेजा गया है।

इसके अलावा शाहजहांपुर के एसपी राजेश द्विवेदी को अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। एटा के एसपी श्याम नारायण सिंह को एसडीआरएफ भेजा गया है। महोबा के

एसपी प्रबल प्रताप सिंह को पुलिस मुख्यालय में एसपी अपराध बनाया गया है। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्रा को सीतापुर स्थित 11वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। कौशांबी के एसपी राजेश कुमार द्वितीय को मेरठ की 44वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। चंदौली के एसपी आदित्य लांग्हे को फिरोजाबाद का एसपी बनाया गया है।

अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। मऊ के एसपी इलामारन जी. को एटा का एसपी बनाया गया है। जालौन के एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार को अयोध्या की 6वीं वाहिनी एसएसएफ का सेनानायक बनाया गया है। फिरोजाबाद के एसपी सौरभ दीक्षित को शाहजहांपुर का एसपी बनाया गया है। महराजगंज के एसपी सोमेंद्र मीना को रामपुर का एसपी बनाया गया है। हमीरपुर की एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा को लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। नोएडा की 49वीं वाहिनी में तैनात कमलेश बहादुर को मऊ का एसपी बनाया गया है। अलीगढ़ में 38वीं वाहिनी पीएसी में तैनात लाखन सिंह यादव को अमरोहा का एसपी बनाया गया है। एटीएस के एसपी विनय कुमार सिंह को जालौन का एसपी बनाया गया है। नोएडा कमिश्नरेट में तैनात शक्ति मोहन अवस्थी को महराजगंज का एसपी बनाया गया है। वाराणसी में अपर पुलिस उपायुक्त आकाश पटेल को चंदौली का एसपी बनाया गया है। मुजफ्फरनगर के एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत को कौशांबी का एसपी बनाया गया है। अलीगढ़ के एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक को हमीरपुर का एसपी बनाया गया है। मुजफ्फरनगर में एसपी ग्रामीण आदित्य बंसल को अलीगढ़ में एएसपी सिटी बनाया गया है। अलीगढ़ के एसपी ग्रामीण अमृत जैन को मुजफ्फरनगर का एसपी सिटी बनाया गया है। आगरा कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त महादिक अक्षय संजय को मुजफ्फरनगर में एसपी ग्रामीण बनाया गया है।

पीएसी और एसएसएफ में भी बदलाव

जिलों के साथ-साथ पीएसी (PAC) की वाहिनियों में भी नए सेनानायकों की नियुक्ति की गई है। राजेश द्विवेदी को 38वीं वाहिनी PAC अलीगढ़ और विद्यासागर मिश्र को 11वीं वाहिनी PAC सीतापुर का सेनानायक बनाया गया है। वहीं, डॉ. दुर्गेश कुमार अब अयोध्या में SSF की 6वीं वाहिनी के सेनानायक होंगे।

प्रमुख जिलों में नए कप्तानों की तैनाती

शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार, शाहजहांपुर, एटा, रामपुर, चन्दौली, फिरोजाबाद और मऊ सहित कई महत्वपूर्ण जिलों के कप्तान बदल दिए गए हैंसौरभ दीक्षित अब शाहजहांपुर के नए एसपी होंगे। ईलामारन जी. को एटा का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।आदित्य लांग्हे को चन्दौली से हटाकर फिरोजाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।सोमेन्द्र मीना को रामपुर और शक्ति मोहन अवस्थी को महाराजगंज का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

कमिश्नरेट से जिलों की ओर रवानगी

इस तबादला सूची में एक खास बात यह रही कि लखनऊ और गौतमबुद्धनगर जैसे बड़े कमिश्नरेट में तैनात कई पुलिस उपायुक्तों को जिलों की कमान दी गई है। अमित कुमार आनन्द और डॉ. दीक्षा शर्मा को लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त (DCP) के पद पर तैनात किया गया है। विश्वजीत श्रीवास्तव को लखनऊ से हटाकर बहराइच का एसपी बनाया गया है।

पीसीएस-2024 का अंतिम परिणाम घोषित, 947 पदों के सापेक्ष 932 अभ्यर्थी हुए सफल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस परीक्षा के तहत कुल 24 प्रकार के पदों एवं सेवाओं के लिए चयन प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें 947 रिक्तियों के सापेक्ष 932 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया है।आयोग के अनुसार पीसीएस-2024 की मुख्य परीक्षा का परिणाम 4 फरवरी 2026 को घोषित किया गया था, जिसमें 2719 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया था। इसके बाद याचिका संख्या 5254/2025 रिशीष प्रकाश बनाम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग व अन्य तथा उससे संबंधित 14 याचिकाओं में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में 20 मार्च 2026 को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दो और अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु औपबंधिक रूप से सफल घोषित किया गया था।साक्षात्कार की प्रक्रिया 26 फरवरी 2026 से 23 मार्च 2026 तक संपन्न कराई गई, जिसमें कुल 21 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। आयोग ने बताया कि उपलब्ध 947 रिक्तियों में से 932 पदों पर अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है, जबकि व्यवस्थाधिकारी पद की 1 रिक्ति तथा व्यवस्थापक पद की 14 रिक्तियां उपयुक्त अभ्यर्थियों के अभाव में रिक्त रह गई हैं। इन रिक्तियों को नियमानुसार अग्रेनीत किए जाने की संस्तुति की गई है।आयोग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि उपकारापाल पद का चयन परिणाम केवल लिखित परीक्षा के आधार पर घोषित किया गया है। इन पदों के सापेक्ष सफल घोषित ऐसे अभ्यर्थी, जो साक्षात्कार में सम्मिलित नहीं हुए थे, उनका चयन परिणाम उनके शैक्षिक अभिलेखों एवं श्रेणी से संबंधित प्रमाण-पत्रों के मूल अभिलेखों से मिलान के उपरांत ही अंतिम रूप से मान्य किया जाएगा। इस संबंध में आयोग द्वारा पृथक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जाएगी।इसके अतिरिक्त जिन अभ्यर्थियों के परिणाम के सम्मुख 'PROV' अंकित किया गया है, उन्हें निर्धारित तिथि तक आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के भीतर अभिलेख प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित अभ्यर्थियों का अभ्यर्थन अथवा चयन निरस्त कर दिया जाएगा।आयोग ने यह भी बताया कि परीक्षा परिणाम से संबंधित अभ्यर्थियों के प्राप्तांक तथा श्रेणीवार और पदवार कटऑफ अंक शीघ्र ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे।

मनरेगा से गांवों में बन रहे अन्नपूर्णा भवन, खाद्यान भंडारण और राशन वितरण व्यवस्था होगी सुदृढ़

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत प्रदेश के गांवों में अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इन भवनों का उपयोग खाद्यान भंडारण संरचनाओं के रूप में किया जाएगा, जिनका उपयोग उचित दर की दुकानों के संचालन के लिए भी किया जा सकेगा।महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में सरकारी जमीन पर खाद्यान भंडारण संरचना के रूप में अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण निरंतर जारी है। इन भवनों में एक हॉल और एक प्रतीक्षालय के साथ-साथ जनसेवा केंद्र संचालन की व्यवस्था भी की जा रही है, जिससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर कई सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा (विकसित भारत-जी राम जी) योजना के अंतर्गत राशन मॉडल शॉप यानी अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सुनीं सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनीं तथा उनके त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक पीड़ित को न्याय दिलाना शासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।जनता दर्शन के दौरान उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर एक-एक फरियादी से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया। कई मामलों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिससे समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।कार्यक्रम में भूमि विवाद, अवैध कब्जा, उत्पीड़न, सड़क एवं विद्युत समस्याएं, दुर्घटनाएं, आवास आवंटन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पारिवारिक विवाद जैसे विभिन्न मामलों को फरियादियों द्वारा रखा गया। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी और जहां आवश्यकता हो, वहां कठोर कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में जिम्मेदारी तय की जाए तथा शिकायतों के निस्तारण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।जनसुनवाई के दौरान महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता देते हुए उनके प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने अतिक्रमण हटाने, भूमि पर कब्जा दिलाने, अभियुक्तों की गिरफ्तारी सहित अन्य जन समस्याएं रखीं, जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन-प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

आदिल नगर में सिर में गोली लगने से व्यक्ति की मौत, मौके से असलहा बरामद

लखनऊ। थाना गुडम्बा क्षेत्र के आदिल नगर में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो जाने की घटना सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से एक असलहा भी बरामद किया गया है, जबकि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार दिनांक 30 मार्च 2026 को डायल 112 के माध्यम से थाना गुडम्बा क्षेत्रांतर्गत आदिल नगर में एक व्यक्ति की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक एवं अतिरिक्त निरीक्षक पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान काजी अहमद जैद पुत्र स्वर्गीय सलाउद्दीन, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी 23 आदिल नगर, नियर सत्यार्थीधाम, आलोक दूबे मार्ग, कल्याणपुर, थाना गुडम्बा, लखनऊ के रूप में हुई।

QS एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में बीबीएयू की बड़ी उपलब्धि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ ने QS एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए दक्षिण एशिया क्षेत्र में 254वां स्थान प्राप्त किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर 801-850 बैंड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को शैक्षणिक उत्कृष्टता, सुदृढ़ शोध संस्कृति तथा वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है और इसे संस्थान की निरंतर प्रगति का प्रतीक माना जा रहा है।इस अवसर पर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि QS एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर

विश्वविद्यालय का शामिल होना और दक्षिण एशिया क्षेत्र में 254वां स्थान प्राप्त करना शैक्षणिक उत्कृष्टता की सामूहिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के अटूट समर्पण, कठोर परिश्रम और प्रतिबद्धता का परिणाम है।कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य—चाहे वह शिक्षक हों, शोधार्थी हों या कर्मचारी—ने शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी सामूहिक प्रयास ने विश्वविद्यालय को इस महत्वपूर्ण मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में सुदृढ़ होती शोध संस्कृति, बेहतर होते शैक्षणिक मानकों और बढ़ती वैश्विक सहभागिता का स्पष्ट प्रमाण है, जो भविष्य में और बेहतर उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगा।प्रो. मित्तल ने इस सफलता को आगे की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय को और अधिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने अनुसंधान सहयोग को और मजबूत करने, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक साझेदारी बढ़ाने तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दृश्यता को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने सभी से अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और गुणवत्ता के साथ करने का आह्वान किया।

फर्जी दस्तावेजों से बैंक ऋण लेकर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। थाना हजरतगंज पुलिस ने छलपूर्वक धोखाधड़ी कर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बैंक के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराकर धन निकालने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने जनपद देवरिया से दबोचकर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की।पुलिस के अनुसार इस संबंध में 18 अगस्त 2022 को वादी अकुर सिंह, निवासी सहजपुरम, आईआईएम रोड, लखनऊ द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी जानकारी के बिना उनके खाते से धोखाधड़ी करते हुए फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंक से ऋण स्वीकृत कराया गया और धनराशि निकाल ली गई। इस मामले में थाना हजरतगंज पर मु0अ0सं0 298/2022 धारा 420, 467, 468 और 471 भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

सगे भाई ने लोहे की रॉड से सिर पर वार कर की युवक की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में सगे भाई द्वारा भाई की निर्मम हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। शराब के नशे में हुए आपसी विवाद के बाद आरोपी ने सोते समय अपने भाई के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आलाकत्ल बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार आज दिनांक 30.03.2026 को डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम खांडे देव में एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया है। सूचना मिलते ही थाना बंथरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारम्भिक जांच के दौरान सामने आया कि ग्राम खांडे देव थाना बंथरा निवासी गोलू उर्फ आलोक पुत्र स्वर्गीय पुत्तीलाल उम्र

लगभग 24 वर्ष की हत्या उसके ही सगे भाई सरवन द्वारा की गई है।जांच में पता चला कि मृतक गोलू उर्फ आलोक और आरोपी सरवन के बीच बीती शाम लगभग 09:30 बजे शराब के नशे में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद के बाद गोलू उर्फ आलोक अपने घर में सो गया था। इसी दौरान आरोपी सरवन ने सोते समय उसके सिर पर लोहे की रॉड से जोरदार वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक की माता जशोदा देवी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना बंथरा में मु0अ0सं0 84/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत आरोपी सरवन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपी सरवन को हिरासत में लेकर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड भी बरामद कर ली है।पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम वैधानिक एवं अन्य विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जनसुनवाई में सुनीं समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

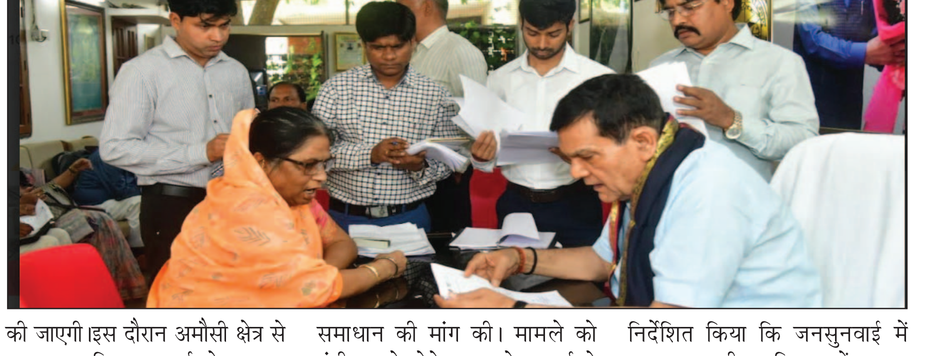

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कर आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतों के त्वरित और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने इंटरलॉकिंग, नाली निर्माण, सीवर व्यवस्था, विद्युत कनेक्शन, विद्युत बिल सुधार सहित अन्य स्थानीय समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। ए.के. शर्मा ने सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।इस दौरान अमौसी क्षेत्र से आए एक शिकायतकर्ता ने अवगत कराया कि उनके यहां प्रीपेड मीटर स्थापित होने के बावजूद पिछले चार वर्षों से नियमित रूप से विद्युत बिल का भुगतान किया जा रहा था, लेकिन अचानक उन्हें 25,150 रुपये का बिल भेज दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में निष्पक्ष जांच कर समस्या के समाधान की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए ए.के. शर्मा ने तत्काल ऊर्जा विभाग के चेयरमैन आशीष गोयल से दूरभाष पर वार्ता कर प्रकरण की जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की त्रुटि या अन्याय नहीं होना चाहिए।मंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए और शिकायतकर्ताओं को समय से कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है तथा आमजन की संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फॉरेंसिक शिक्षा को मिलेगा नया आयाम, यूपीएसआईएफएस चार प्रमुख संस्थानों से करेगा एमओयू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फॉरेंसिक शिक्षा को आधुनिक और व्यावहारिक बनाने के लिए योगी सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) चार प्रमुख संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन करने जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में दक्ष फॉरेंसिक विशेषज्ञ के रूप में तैयार करना है।इस एमओयू के तहत यूपीएसआईएफएस का सहयोग महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर, धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं तथा किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के साथ होगा। इन संस्थानों के सहयोग से छात्रों को इंटर्नशिप, रिसर्च और प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के व्यापक अवसर मिलेंगे।यूपीएसआईएफएस के डायरेक्टर जी.के. गोस्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि फॉरेंसिक साइंस के छात्रों को पूरी तरह 'जॉब रेडी' बनाया जाए। अब तक फॉरेंसिक शिक्षा में थ्योरी का अधिक महत्व रहा है, लेकिन अब व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में चार प्रमुख संस्थानों के साथ एमओयू की प्रक्रिया शुरू की गई है।किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के साथ होने वाले समझौते के तहत यूपीएसआईएफएस के छात्र फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में पोस्टमार्टम प्रक्रिया की बारीकियों को करीब से समझ सकेंगे। छात्र पंचनामा से लेकर पोस्टमार्टम तक की पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया का अध्ययन करेंगे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि किसी घटना में मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई और उसका वैज्ञानिक विश्लेषण कैसे किया जाता है।वहीं उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के साथ एमओयू होने से छात्रों को जेलों में जाकर बंदियों से जुड़े मामलों की केस स्टडी करने का अवसर मिलेगा। यूपीएसआईएफएस के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, छात्र जेल के वातावरण, जमानत प्रक्रिया तथा अपराध के पीछे छिपे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारणों को समझ सकेंगे। इससे उन्हें अपराध की जड़ों को जानने में सहायता मिलेगी, जो एक सफल फॉरेंसिक विशेषज्ञ के लिए अत्यंत आवश्यक है।महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर के साथ एमओयू से दोनों संस्थानों के छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। साथ ही दोनों संस्थानों के फैकल्टी मेंबर एक-दूसरे के यहां लेक्चर दे सकेंगे। भविष्य में दोनों संस्थान मिलकर फॉरेंसिक साइंस की एक संयुक्त आधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने की भी योजना बना रहे हैं, जहां अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से अनुसंधान और परीक्षण किए जाएंगे। इससे राज्य में फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी।इसके अतिरिक्त धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी, गांधीनगर के साथ एमओयू के तहत छात्र और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे। यूपीएसआईएफएस के छात्र वहां जाकर इंटर्नशिप कर सकेंगे, जबकि गांधीनगर के छात्र लखनऊ आकर फॉरेंसिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इससे राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान बढ़ेगा और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा।यह पहल डिजिटल अपराध, साइबर फ्रॉड और जटिल आपराधिक मामलों की वैज्ञानिक जांच को और अधिक सटीक और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत

बिहार से नीतीश कुमार की विदाई सिर्फ एक व्यक्ति की राजनीति का अंत नहीं है। न ही एक पार्टी की राजनीति के कमजोर होने का संकेत है। यह मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत है। एक एक करके वैसे भी मंडल की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक परिदृश्य से लुप्त हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और रामविलास पासवान का निधन हो गया है, जबकि लालू प्रसाद यादव चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। अब वे सक्रिय राजनीति करने में भी शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हैं। मंडल राजनीति की आखिरी बड़े नेता नीतीश कुमार हैं, जिनका रिटायरमेंट प्लान भाजपा ने तैयार कर दिया है। सोचें, जिस नीतीश कुमार ने जीवन भर मुख्यमंत्री बने रहने की राजनीति की और तमाम किस्म के गठबंधन बदल दिए उनको कहना पड़ा है कि वे एक बार राज्यसभा जाकर देखना चाहते थे। ध्यान रहे नीतीश ने कई बार सहयोगी बदले। गठबंधन की पार्टियां बदलीं लेकिन मुख्यमंत्री बने रहे। करीब 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे राज्यसभा जा रहे हैं।

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना या मुख्यमंत्री पद छोड़ना अपने आप में मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम नहीं है। असली बात यह है कि उनके हाथ से बिहार की कमान निकल रही है। बिहार की राजनीति अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के हाथ में जा रही है। भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और बिहार की राजनीति लगभग पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो जाएगी। नीतीश की पार्टी रहेगी लेकिन वह भाजपा पर निर्भर होगी। दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद होगा, जिसके साथ कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन है। सो, मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम के साथ साथ कह सकते हैं कि बिहार में बहुध्रुवीय राजनीति अब ज्यादा केंद्रीकृत होगी। भाजपा के मजबूत होने और राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने से उसके साथ वाली बाकी पार्टियों की हैसियत कमजोर होगी, चाहे वह पार्टी चिराग पासवान की हो या उपेंद्र कुशवाहा की या जीतन राम मांझी की हो।

तह सकते है कि आखिर नरेंद्र मोदी की सरकार भी चारों तरफ आरक्षण बढ़ा रही है, अलग अलग क्षेत्रों में नए आरक्षण दे रही है, जाति जनगणना कराने जा रही है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली यूजीसी की नियमावली जारी करती है तो फिर कैसे यह राजनीति मंडल से अलग है? यह मंडल से इसलिए अलग है क्योंकि यह कांग्रेस और दूसरी प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति की प्रतिक्रिया है और दूसरे इसमें अंतर्निहित तत्व कमंडल यानी धर्म की राजनीति का है। भाजपा का मकसद किसी न किसी रूप में पैन इंडिया हिंदू यूनिटी बनाने की है। पूरे भारत में हिंदू एकता बनाने के लिए भाजपा को जहां जो दांव चलना होता है वह चलती है। कहीं ईडब्लुएस का आरक्षण देकर अगड़ी जातियों को खुश करती है तो कहीं यूजीसी की नियमावली से पिछड़ी जातियों को संदेश देती है। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है।

भाजपा बिहार में और पूरे देश में मंडल की राजनीति को कमंडल से रिप्लेस करना चाहती है। इसके लिए उसने धीरे धीरे मंडल और कमंडल को मिलाना शुरू कर दिया। मोदी ने यह माहौल बनाया कि कमंडल ही मंडल है। व्यापक हिंदू पहचान पर जोर दिया गया और यह स्थापित करने का प्रयास किया गया कि धर्मध्वजा उठाए हुए व्यक्ति की जाति क्या है यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह कोई भी हो सकता है। असम से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा ने बड़े राज्यों में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए हैं। लेकिन सोशल मीडिया में सवर्ण इकोसिस्टम के लोग आक्रामक तरीके से सरकार पर हमला कर रहे हैं और यूजीसी के नियमों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार को अगड़ा विरोधी बता रहे हैं। यह भी अंततः मोदी के लिए फायदे वाला ही साबित होगा। क्योंकि यूजीसी की नियमावली सिर्फ नैरेटिव बनाने के लिए लाई गई थी। सरकार का काम सवर्ण लोग सोशल मीडिया में कर रहे हैं। इसे लेकर नरेंद्र मोदी और धर्मेंद्र प्रधान पर जितना हमला हो रहा है, पिछड़ी और दलित जातियों का उतना ही ध्रुवीकरण उनके पक्ष में हो रहा है।

बहरहाल, जाति और खास कर पिछड़ी जातियों की गोलबंदी के साथ साथ मंडल की राजनीति का एक बुनियादी तत्व यह है कि उसके नेता सेकुलर प्रैक्टिस करते हैं। उनकी राजनीति में मुस्लिम को अलग थलग करने की प्रवृत्ति नहीं रहती है। बिहार में लालू प्रसाद की तरह ही नीतीश कुमार भी पिछड़ी जातियों को एकजुट करते रहे और साथ ही मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियों को, जिनको पसमांदा कहते हैं उन्हें भी जोड़ा। मंडल राजनीति का दूसरा तत्व यह है कि उसमें पिछड़ी जातियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों तरह से वर्चस्व होता है। तीसरी बात यह है कि उन्हें एकजुट करने के लिए धर्म की गोंद नहीं चाहिए, बल्कि सत्ता संरचना में हिस्सेदारी चाहिए। नीतीश की विदाई से बिहार में पिछड़ी जातियों के प्रत्यक्ष व परोक्ष वर्चस्व समाप्त होगा, सत्ता संरचना में हिस्सेदारी कम होगी और धर्म की गोंद का इस्तेमाल एकजुटता के लिए किया जाएगा।

सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं

अजीत द्विवेदी

पुरानी कहावत है कि 'चुनाव से पहले, युद्ध के दौरान और शिकार के बाद सबसे ज्यादा झूठ बोले जाते हैं। सो, ईरान में युद्ध चल रहा है और झूठ की चौतरफा बौछार हो रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि युद्ध अमेरिका ने शुरू नहीं किया लेकिन इसे खत्म अमेरिका करेगा। हालांकि सारी दुनिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल ने दिन दहाड़े हमले की शुरुआत की और एक संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता को मार डाला। दूसरी ओर अमेरिका से ही एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पेंटागन ने कांग्रेस की समिति के सामने कहा है कि उनके पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि ईरान हमला करने जा रहा है। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के सामने पेंटागन की ओर से कुछ और कहा जा रहा है और पेंटागन के प्रमुख मीडिया के सामने कुछ और कह रहे हैं!

इसी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो हमला शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी सबसे बड़ा हमला करेगा और उधर पेंटागन से खबर है कि वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से लेकर तमाम रक्षा जानकार इस बात की चिंता में हैं कि अमेरिका के मिसाइल और हथियारों का भंडार तेजी से खत्म होता जा रहा है। अमेरिकी रक्षा क्षेत्र में यह चिंता इसलिए है क्योंकि जितनी तेजी से मिसाइल और दूसरे हथियार खर्च हो रहे हैं उतनी तेजी से उन्हें बनाया नहीं जा सकता है। इस चिंता का एक पहलू यह भी है कि अगर युद्ध का कोई नया मोर्चा खुला या उत्तर कोरिया और चीन की ओर से कुछ हुआ, जिसका जवाब अमेरिका को देना पड़े तो क्या होगा? लेकिन ट्रंप सबसे बड़े हमले की बात कर रहे हैं। ऐसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जरुरत पड़ी तो वे अमेरिकी सेना को ईरान की जमीन पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की तरह नहीं हैं, जिन्होंने हमेशा जमीनी सेना उतारने से इनकार किया। ट्रंप ने यह ऐसी बात कही है, जिस पर किसी को यकीन नहीं होगा। ईरान में जमीनी सैनिक उतारना अमेरिका के लिए बहुत मुश्किल वाला फैसला होगा। इसका कारण यह है कि ईरान में उसके पास कोई जमीनी सपोर्ट सिस्टम नहीं है। दूसरे, ईरान के पास 11 लाख से ज्यादा की संख्या वाली बहुत व्यवस्थित सेना है, जिसमें दो लाख आईआरजीसी के प्रशिक्षित कमांडो जैसे सैनिक हैं। तीसरे, ईरान नौ करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। चौथे, उसकी भोगोलिक सीमाएं बहुत विशाल हैं।

वह इजराइल से 70 गुना बड़े क्षेत्रफल वाला देश है। पांचवें, ईरान में लंबी लंबी पहाड़ों की शृंखलाएं हैं और दुर्गम क्षेत्र बहुत बड़ा है। सोचें, गाजा जैसे छोटे से इलाके में दो साल से युद्ध चल रहा है, जिसमें 70 हजार लोग मारे गए हैं फिर भी इजराइल जीत नहीं पाया है, जबकि गाजा एक ऐसा जमीन का टुकड़ा है, जो इजराइल और मेडिटेरेनियन समुद्र के बीच दबा हुआ है। जब वहां दो साल से लड़ाई खत्म नहीं हो रही है तो ईरान जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में कैसे अमेरिका जमीन पर सैनिक उतारेगा? सो, ऐसा लग रहा है कि यह झूठ भी ईरान की फौज को डराने और लोगों को बगावत के लिए उकसाने के मकसद से बोला गया है। बहरहाल, यह इतिहास का संभवतः पहला युद्ध होगा, जो वार्ता विफल होने की वजह से नहीं, बल्कि वार्ता सफल होने की वजह से लड़ा जा रहा है। ईरान और अमेरिका की वार्ता में मध्यस्थता कर रहे ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमाद अल बुसैदी ने 28 फरवरी को कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अंतिम दौर में है और समझौते का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी देने को तैयार हो गया है कि वह कभी भी परमाणु बम नहीं बनाएगा। साथ ही वह इस बात के लिए भी तैयार हो गया है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए की टीम उसके परमाणु ठिकानों का दौरा करके जांच कर ले। लेकिन बुसैदी के यह कहने के तुरंत बाद अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला शुरू कर दिया। याद करें इसी तरह पिछले साल जून में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 14 दिन का समय दिया था और तीसरे ही दिन हमला शुरू कर दिया था।

फरवरी 2026 के हमले में गोलपोस्ट कैसे बदल रहा है यह देखना भी बहुत दिलचस्प है। पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमला हुआ है। हालांकि यहां भी सवाल उठता है कि जब जून 2025 के हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु संयंत्रों को 'ओबलिटेरेट कर दिया गया यानी नामोनिशान मिटा दिया गया तब फिर आठ महीने में ही परमाणु संयंत्र कैसे काम करने लगे। बहरहाल, युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक क्रांति के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला किया गया है। यानी परमाणु ठिकानों को खत्म करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि सत्ता बदलना लक्ष्य है।

अब पहला सवाल है कि सत्ता क्यों बदलनी है? इसका सीधा जवाब है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थितियों को हमेशा के लिए बदल देना है। उसे स्थिर सत्ता और सैन्य ताकत वाले इकलौते मजबूत देश ईरान को समाप्त करना है। सद्दाम हुसैन का इराक खत्म हो गया, गद्दाफी का लीबिया और असद का सीरिया भी समाप्त हो गया। अगर ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता समाप्त हो जाती है तो पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल इकलौती महाशक्ति बचेगा। ध्यान रहे अमेरिका ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों का आर्थिक हित या तो अपने साथ जोड़ लिया है या इजराइल से जुड़वा दिया। सो, यह युद्ध एक बड़े लक्ष्य के लिए है, जिसे निश्चित रूप से इजराइल ने तय किया है।

अब दूसरा सवाल है कि सत्ता कैसे बदलेगी? हवाई हमले में नेताओं को और कुछ सैनिक कमांडरों को मारा जा सकता है या इमारतें ध्वस्त की जा सकती हैं। सत्ता परिवर्तन तो उससे नहीं हो सकता है। सत्ता परिवर्तन के दो मॉडल हैं। या तो अमेरिका जमीनी फौज उतारे और ईरान के तमाम फौजी कमांडरों, गार्जियन कौंसिल के सदस्यों और धर्मगुरुओं को मार डाले या उनको बंधक बना कर वहां अपने समर्थन वाले किसी व्यक्ति को गद्दी पर बैठाए। इराक में उसने ऐसा किया था। दूसरा मॉडल लीबिया और सीरिया वाला है। इन देशों में पहले से सशस्त्र संघर्ष चल रहा था। सीरिया में तो 2012 से ही गृह युद्ध छिड़ा हुआ था। इसलिए वहां अमेरिका को अपनी फौज उतारने की जरुरत नहीं पड़ी थी।

आतंकवादियों के हथियारबंद गिरोहों में से एक गिरोह को समर्थन देकर सत्ता में बैठा दिया गया। सीरिया में अमेरिका ने उस जिहादी को गद्दी पर बैठाया है, जिस पर करीब सौ करोड़ रुपए का इनाम खुद अमेरिका ने रखा था। बहरहाल, यह मॉडल भी ईरान में नहीं चल सकता है क्योंकि वहां कोई सशस्त्र विद्रोह नहीं चल रहा है और कोई हथियारबंद गिरोह सरकार के खिलाफ नहीं लड़ रहा है। आम लोग जरूर लड़ते हैं लेकिन वह उनके मानवाधिकारों की लड़ाई होती है। अमेरिका ने जिस तरह से हमला करके वहां के सर्वोच्च धर्मगुरू अयातुल्ला खामेनेई को मारा है उसके बाद राष्ट्रवाद की भावना मजबूत हुई है। ऐसे मौकों पर आमतौर पर ऐसा होता है। तभी जनता का लोकप्रिय समर्थन मिलने की संभावना भी कम हो जाती है।

सो, यह लाख टके का सवाल है कि सत्ता में बदलाव कैसे होगा? यह भी सवाल है कि अगर सत्ता नहीं बदलती है तो अमेरिका क्या मुंह लेकर युद्ध से निकलेगा? ध्यान रहे बाहर से किए जाने वाले सत्ता परिवर्तन के नतीजे दुनिया ने देखे हैं। हर बार ऐसे प्रयोग विफल रहे हैं और जहां भी ऐसा किया गया है वहां हिंसा और अस्थिरता बढ़ी है। तभी यह आशंका है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और इराक बना कर वहां से निकल जाएगा।

टिप्पणी

चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है।

भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर-व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता।

दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी ज़ुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम-से-कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

ब्लॉग

जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता: बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारंपरिक भ्रांतियाँ

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी— ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं।

गरीबी और भुखमरीः जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है।

बेरोजगारी : हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझः सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती।

पर्यावरण का विनाशः ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी।

आवास और शहरीकरण की समस्याः शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या — ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है।

अपराध और सामाजिक अशांतः जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं।

पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडनः हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें।

भ्रांति 1ः संतान से मोक्ष मिलता हैः यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं।

खंडन : अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि-मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद — इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए।

भ्रांति 2ः बेटा जरूरी है, बेटी से काम नहीं चलता : समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं।

खंडन : आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन — बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता-पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच-छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है।

भ्रांति 3 : ज्यादा बच्चे यानी बुढ़ापे का सहारा : कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक-दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा।

खंडन : सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं, बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है। अगर आप दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें संस्कारवान बनाते हैं, तो वे दो बच्चे दस बच्चों से बेहतर देखभाल करेंगे। दूसरी तरफ, अगर पाँच-छह बच्चे हों और किसी को भी अच्छी शिक्षा या संस्कार न मिले, तो वे सब मिलकर भी बुढ़ापे में सहारा नहीं बन पाएँगे। आज वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं जिनके चार-पाँच बच्चे हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं।

भ्रांति 4 : संतान ईश्वर की देन है, रोकना पाप है : कुछ लोगों का मानना है कि संतान ऊपर वाले की मर्जी से आती है और इसे रोकना ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। इसलिए वे परिवार नियोजन को पाप मानते हैं।

खंडन : ईश्वर ने इंसान को बुद्धि भी दी है। अगर हम बुद्धि का उपयोग नहीं करेंगे तो यह ईश्वर की देन का अपमान होगा। ईश्वर ने हमें सोचने-समझने की शक्ति दी है ताकि हम सही फैसले ले सकें। जब कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक हालत जानते हुए भी बिना सोचे-समझे बच्चे पैदा करता रहता है और फिर उन बच्चों को भूखा, अशिक्षित और बीमार रखता है — तो क्या यह ईश्वर की सेवा है? यह तो उन मासूम बच्चों के साथ अन्याय है। असली धर्म यह है कि जितने बच्चे पैदा करो, उन सबकी अच्छे से परवरिश करो। अगर यह संभव नहीं, तो संयम रखना ही सबसे बड़ा धर्म है।

भ्रांति 5 : परिवार नियोजन शरीर के लिए हानिकारक है

ग्रामीण क्षेत्रों में यह अफवाह बहुत फैली हुई है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपायों से शरीर कमजोर हो जाता है, काम करने की ताकत खत्म हो जाती है या और भी कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

खंडन : चिकित्सा विज्ञान ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि आधुनिक परिवार नियोजन के तरीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। नसबंदी एक छोटी सी प्रक्रिया है जिसमें कोई खतरा नहीं होता। गर्भनिरोधक गोलियाँ और अन्य उपाय डॉक्टर की सलाह से लेने पर बिल्कुल सुरक्षित हैं। उलटा, बार-बार गर्भधारण से महिलाओं के शरीर को बहुत ज्यादा नुकसान होता है। कम उम्र में बार-बार माँ बनना महिलाओं में कमजोरी, खून की कमी और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

जनसंख्या नियंत्रण कोई कठिन काम नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति चाहिए। सबसे पहले शिक्षा का प्रसार जरूरी है, खासकर लड़कियों की शिक्षा। जो परिवार शिक्षित होते हैं, वे खुद समझ जाते हैं कि छोटा परिवार ही सुखी परिवार है। परिवार नियोजन के साधनों को गाँव-गाँव तक पहुँचाना जरूरी है। सरकार को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए जो धार्मिक भ्रांतियों को दूर करें। महिला सशक्तिकरण भी जनसंख्या नियंत्रण में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है — जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होती हैं तो वे अपने शरीर और अपने परिवार के बारे में सही फैसले लेती हैं।

निष्कर्ष : बढ़ती जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह गरीबी, बेरोजगारी, पर्यावरण विनाश और सामाजिक अशांति की जड़ है। पारंपरिक मान्यताएँ जैसे संतान से मोक्ष, बेटे की अनिवार्यता, ज्यादा बच्चे ज्यादा सहारा — ये सब भ्रम हैं जिनका कोई तार्किक या धार्मिक आधार नहीं है। असली धर्म यह है कि जो बच्चे हैं उनकी अच्छी परवरिश हो, उन्हें शिक्षा मिले, स्वास्थ्य मिले और एक सम्मानजनक जीवन मिले। यह तभी संभव है जब परिवार छोटा हो।

हमें पुरानी सोच को बदलना होगा। मोक्ष संतानों की संख्या से नहीं, अच्छे कर्मों से मिलता है। बेटे और बेटी में कोई भेद नहीं है। बुढ़ापे का सहारा ज्यादा बच्चे नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार वाले बच्चे होते हैं। परिवार नियोजन पाप नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और समझदार कदम है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे, तब तक न तो हमारा परिवार खुशहाल होगा और न ही हमारा देश। छोटा परिवार, सुखी परिवार — यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जीवन का सत्य है।

यूपी में दहेज, चेक बाउंस समेत 31 मामलों में अब सीधे एफआईआर नहीं! डीजीपी का सर्कुलर जारी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस अब 31 गंभीर अपराधों में सीधे एफआईआर दर्ज नहीं कर सकेगी। इनमें दहेज उत्पीड़न, चेक बाउंस, घरेलू हिंसा, भ्रूण हत्या, पशुओं से अत्याचार, पर्यावरण प्रदूषण, बाल श्रम, उपभोक्ता धोखाधड़ी और खाद्य पदार्थों में मिलावट जैसे मामले शामिल हैं। इन सभी मामलों में पीड़ित को पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट में परिवाद शिकायत दायर करनी होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एक टिप्पणी के बाद डीजीपी राजीव कृष्ण ने यह आदेश जारी किया है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को सर्कुलर जारी कर सख्त निर्देश दिए हैं कि जहां कानून में सिर्फ कोर्ट में परिवाद दायर करने का प्रावधान है, वहां पुलिस द्वारा सीधे एफआईआर दर्ज करना पूरी तरह गलत और अवैध है। थाना प्रभारी और विवेचक (जांच अधिकारी) को एफआईआर दर्ज करने से पहले यह पक्का करना होगा कि संबंधित केस में पुलिस रिपोर्ट पर कोर्ट संज्ञान ले सकती है या नहीं।

डीजीपी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कोई पुलिसकर्मी इन निर्देशों का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों और विवेचकों को निर्देश दिया है कि वे कानून के हर पहलू का गंभीरता से अध्ययन करें और एफआईआर दर्ज करने से पहले पूरी तरह सुनिश्चित करें कि मामला परिवाद वाली श्रेणी का तो नहीं है।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद डीजीपी का एक्शन

यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी के बाद जारी किया गया है। कोर्ट ने कहा था कि कई बार पुलिस नियमों के विपरीत एफआईआर दर्ज कर लेती है, जिससे आरोपी को कोर्ट में फायदा मिल जाता है, जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है और पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाता। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने इस पर गहरी नाराजगी जताई थी।

दहेज से जुड़े कानूनों का प्रावधान

डीजीपी के सर्कुलर में दहेज निषेध अधिनियम, 1961 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि दहेज लेने, देने या लेन-देन में सहयोग करने वालों को 5 साल तक की सजा और 15,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। दहेज के लिए मारपीट या कीमती चीजों की मांग करने पर बीएनएस की धारा 498A के तहत 3 साल की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। यदि पति या ससुराल पक्ष स्त्रीधन लौटाने से इनकार करता है, तो भी 3 साल की सजा और जुर्माना हो सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह आदेश झूठी या बेबुनियाद शिकायतों पर एफआईआर दर्ज होने की प्रवृत्ति को रोकने और अदालती प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए लिया गया है। अब पीड़ितों को सीधे मजिस्ट्रेट के पास जाना होगा, जहां प्रारंभिक जांच के बाद ही मामला आगे बढ़ेगा। हालांकि, पुलिस का कहना है कि संज्ञेय अपराधों में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पहले की तरह ही जारी रहेगी। यह फैसला यूपी पुलिस में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इनमें प्रमुख रूप से...

- महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा
- दहेज उत्पीड़न
- चेक बाउंस (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट)
- भ्रूण हत्या
- जानवरों से अत्याचार
- पर्यावरण और वायु/जल प्रदूषण से जुड़े मामले
- उपभोक्ताओं से धोखाधड़ी तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट (उपभोक्ता फोरम या FSSAI के पास जाना होगा)
- बाल श्रम
- ट्रेडमार्क उल्लंघन
- मानव अंग तस्करी
- कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न
- केबल टेलीविजन नेटवर्क
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन
- कीटनाशक
- दवाओं का नियंत्रण और आयात-निर्यात से जुड़े मामले शामिल हैं.

महावीर जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। भगवान महावीर जयंती का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसी क्रम में जीरो रोड स्थित जैन मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा जीरो रोड से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और वापस मंदिर परिसर में समाप्त हुई। रास्ते भर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। जगह-जगह लोगों ने फूलों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में भगवान महावीर के जीवन, त्याग, अहिंसा और सत्य का संदेश दर्शाती कई आकर्षक झांकियां शामिल थीं। जुलूस में महिलाओं और युवाओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य किया। पूरे मार्ग में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के बताए मार्ग - अहिंसा, सत्य और करुणा - पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान वैश्विक तनाव के दौर में भगवान महावीर का 'जियो और जीने दो' का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है, जो शांति और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाता है।

शोभायात्रा के संयोजक विकास जैन ने बताया कि भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाकर ही व्यक्ति जीवन के दुखों से मुक्ति पा सकता है। उनके विचार समाज में शांति और सद्भाव स्थापित करने में सहायक हैं।

फूलों की वर्षा करके रथ यात्रा का स्वागत किया जा रहा था। महिलाएं और बच्चे पीले रंग का वस्त्र पहने हुए थे ऐसा लग रहा था जैसे सरसों का फूल लहरा रहे है। भक्त भगवान महावीर के संदेशों को लोगों तक पहुंचा रहे थे हमें युद्ध नहीं शांति चाहिए, जियो और जीने दो, गर्मी पड़ रही है पंछियों के लिए दाने और पानी अपने छत पर व्यवस्थित करें, जीव जंतुओं से प्रेम करें।

पीसीएस 2025 मेंस परीक्षा का दूसरे दिन रही कड़ी सुरक्षा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस 2025 मेंस परीक्षा का दूसरा दिन प्रयागराज में शांतिपूर्ण रहा। प्रशासन ने परीक्षा को नकल विहीन और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल तैनात है और सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। अभ्यर्थियों को मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाने की अनुमति नहीं है। प्रवेश से पहले गहन जांच की जा रही है ताकि किसी भी अनियमितता को रोका जा सके। यह मेंस परीक्षा 29 मार्च से 1 अप्रैल तक प्रयागराज और लखनऊ में आयोजित की जा रही है। परीक्षा दो पालियों में कुल 27 केंद्रों पर हो रही है। इसमें 11,403 अभ्यर्थी विभिन्न प्रशासनिक पदों के लिए शामिल हो रहे हैं। ज्ञात हो कि यूपी पीसीएस प्री परीक्षा 2025 का परिणाम 1 दिसंबर को घोषित किया गया था, जिसमें 11,727 अभ्यर्थी सफल हुए थे। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 920 पदों पर चयन किया जाना है। इनमें 814 विभिन्न पदों के साथ 106 पद एसीएफ (सहायक वन संरक्षक) और आरएफओ (क्षेत्रीय वन अधिकारी) के शामिल हैं।

इस भर्ती के लिए 20 फरवरी 2025 को जारी विज्ञापन के बाद 6,26,387 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। 12 अक्टूबर को हुई प्रारंभिक परीक्षा में 2,65,270 अभ्यर्थी शामिल हुए। इस बार पदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पहले लगभग 200 थी, अब बढ़कर 920 हो गई है। प्रशासन का दावा है कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जा रही है, जिससे सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सकें।

चंद्रमा देवी की जमानत पर सुनवाई, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सुलतानपुर। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी की नियमित जमानत पर आज अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राकेश पाण्डेय की अदालत में सुनवाई हुई। चंद्रमा देवी जिला पंचायत अध्यक्ष अमेठी राजेश अग्रहरि उर्फ राजेश मसाला की पत्नी हैं। उन पर फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने समेत अन्य आरोप हैं, जिनमें उनका केस एसीजेएम भव्या श्रीवास्तव की अदालत में चल रहा है। लंबे समय से गैरहाजिर रहने के बाद चंद्रमा देवी बीते 26 मार्च को एसीजेएम कोर्ट में पेश हुई थीं। तब अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत अर्जी खारिज कर उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया था। जेल में भर्ती होने के दौरान तबियत बिगड़ने पर उन्हें जिला कारागार से सरकारी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। मामले में आज नियमित जमानत पर हुई बहस में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। चंद्रमा देवी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद जल्द ही जमानत पर कोई निर्णय सामने आ सकता है।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर पुल की रेलिंग तोड़कर हवा में लटका कंटेनर, लदे थे ट्रैक्टर

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-2) पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा होते-होते बचा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक फ्लाईओवर पर ट्रैक्टरों से लदा एक अनियंत्रित कंटेनर पुल की सुरक्षा रेलिंग तोड़ते हुए बाहर की ओर लटक गया। गनीमत यह रही कि कंटेनर पुल के नीचे नहीं गिरा, अन्यथा नीचे से गुजर रहे राहगीर इसकी चपेट में आ सकते थे और जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था।

मिली जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टरों से भरा यह कंटेनर दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा था। जैसे ही चालक गोविंद नगर क्षेत्र के पुल पर पहुंचा, अचानक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कंटेनर सीधे पुल की लोहे और कंक्रीट की मजबूत रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रेलिंग पूरी तरह टूट गई और कंटेनर का अगला हिस्सा और एक तरफ का पहिया पुल से बाहर हवा में झूलने लगा।

मच गई अफरा-तफरी

हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दृश्य इतना खौफनाक था कि लगा कंटेनर किसी भी पल नीचे गिर जाएगा। हालांकि, ट्रक का पिछला हिस्सा पुल पर फंसा होने के कारण वह नीचे गिरने से बच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

चालक सुरक्षित

राहत की बात यह है कि इस घटना में कंटेनर का ड्राइवर पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पुल के एक हिस्से पर ट्रैफिक रोक दिया और क्रेन की मदद से लटके हुए वाहन को सुरक्षित वापस खींचने का प्रयास शुरू किया। शुरुआती जांच में हादसे का कारण ड्राइवर को नींद की झपकी आना या तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

काली माता के स्थान पर भव्य जागरण

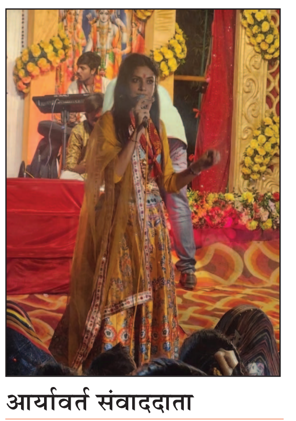

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्रामसभा रैचा स्थित काली माता के स्थान पर भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विपिन पाण्डेय एवं ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

जागरण का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद गोंडा की मशहूर भजन गायिका दीपिका मिश्रा ने अपने मधुर स्वर में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। "जय काली माता" के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

इस अवसर पर कार्यक्रम में भीमसेन पाण्डेय, जय प्रकाश पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, आशुतोष मिश्र, कपिल देव पाण्डेय, नितिन मिश्र, अखिलेश पाण्डेय, रामकिशोर यादव, नकछेद यादव, राज प्रकाश तिवारी, राम कुमार पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूरी रात चले इस जागरण कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला।

'मेरा कोई नहीं जो तेरहवीं कर सके, इसलिए...' जिंदा रहते ही 65 साल के बुजुर्ग ने करवाया भोज

आर्यावर्त संवाददाता

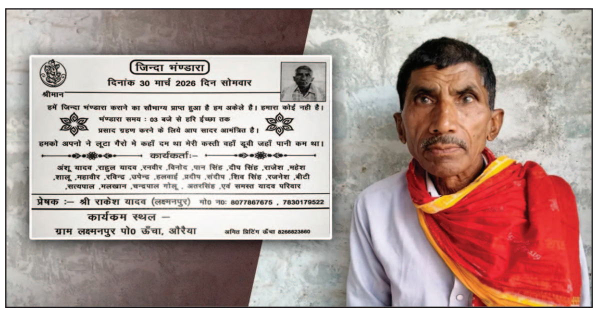

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद से एक भावुक और अनोखी खबर सामने आई है। 65 वर्षीय राकेश यादव ने अपने जीवित रहते ही भंडारे का आयोजन किया। खास बात यह है कि इस भंडारे के लिए उन्होंने करीब 1900 लोगों को बाकायदा निमंत्रण पत्र भेजकर आमंत्रित किया है। यह पहल जहां लोगों को भावुक कर रही है, वहीं समाज को एक गहरी सोच पर भी मजबूर कर रही है।

मामला अजीतमल तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सतहड़ी के लक्ष्मणपुर गांव का है। यहां रहने वाले राकेश यादव, स्वर्गीय हरवंश यादव के बड़े पुत्र हैं। परिवार में तीन भाई थे, लेकिन समय के साथ दुखद घटनाओं ने परिवार को बिखेर दिया। छोटे भाई चंद्रपाल यादव की बीमारी से मौत हो गई, जबकि दूसरे भाई नरेश यादव की हत्या कर दी गई। इन घटनाओं के बाद राकेश यादव पूरी तरह अकेले पड़ गए।

पैतृक घर किया दान

राकेश यादव अविवाहित हैं और उनकी एक बहन भी अविवाहित है। उन्होंने अपना पैतृक घर भी एक रिश्तेदार को दान कर दिया है और अब एक साधारण मड़ैया में जीवन बिता रहे हैं। उनका जीवन बेहद सादगीपूर्ण और धार्मिक प्रवृत्ति से जुड़ा हुआ है। हाल ही में उन्होंने नवरात्रि के दौरान पूरे विधि-विधान से नौ दिन का व्रत रखकर जवारे भी स्थापित किए थे।

क्यों लिया ये फैसला?

राकेश यादव के अनुसार, मेरे बाद मेरा कोई नहीं है, जो मेरी तेरहवीं या अन्य संस्कार कर सके इसलिए मैंने सोचा कि जीते-जी ही लोगों को भोजन करा दूं और अपना फर्ज निभा दूं। राकेश यादव का कहना है कि उनके निधन के बाद कोई ऐसा नहीं बचेगा जो उनके अंतिम संस्कार या तेरहवीं जैसे कर्मकांड कर सके। इसी चिंता ने उन्हें यह अनोखा निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने जीवनकाल में ही भंडारा आयोजित कर समाज और लोगों के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का संकल्प लिया है। गांव में इस अनोखे आयोजन को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। कोई इसे राकेश यादव की दूरदर्शिता और सामाजिक सोच बता रहा है, तो कोई इसे आज के बदलते पारिवारिक ढांचे और बढ़ते अकेलेपन की सच्चाई के रूप में देख रहा है। फिलहाल, इस भंडारे को लेकर गांव में खासा उत्साह है और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

प्राचीन घंटेश्वर मंदिर से घंटा चोरी, ग्रामीणों ने दी तहरीर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के इसौली में स्थित श्री घंटेश्वर मंदिर में बीती रविवार रात चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर का घंटा खोलकर ले गए। सोमवार सुबह जब स्थानीय लोग मंदिर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मंदिर से जुड़े बद्री विशाल जी ने बताया कि जब वह सुबह पूजा के लिए पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा हुआ था और घंटा गायब मिला। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी क्षेत्र के दो अन्य मंदिरों में इसी तरह घंटा चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने पारा चौकी पर लिखित तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और चोरों की तलाश की जा रही है। पारा चौकी इंचार्ज रामराज ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

पिता ने डांटा तो बेटी ने चुनी मौत! नोएडा में 28वें फ्लोर से लगाई छलांग... कर रही थी बीटेक की पढ़ाई

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 32 स्थित अमौर सोसाइटी में देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई जहां 22 वर्षीय बीटेक छात्र ने सोसाइटी की 28वीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद पूरी सोसाइटी में हड़कंप मच गया और लोग सदमे में आ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। गार्ड ने बताया कि जब उसने किसी के गिरने की आवाज सुनी तो दौड़कर गया। इसके बाद उसने सोसाइटी के अन्य लोगों को जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक, बस्ती निवासी तेल कारोबारी संजय जयसवाल अपने परिवार के साथ अमौर सोसाइटी में रहते हैं उनकी बेटी अर्पिता जायसवाल पंजाब के कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रही थी। होली पर अपने घर आई हुई थी, देर रात करीब 10 बजे परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठ खाना खाया और सामान्य बातचीत भी हुई। इस समय किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ घंटे बाद इतना बड़ा हादसा हो जाएगा।

आवाज सुनते ही दौड़े सुरक्षा गार्ड्स

पुलिस के मुताबिक, घटना करीब रात 12:20 पर हुई है। जब तेज आवाज हुई तो अचानक मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े। छात्र खून से लथपथ हालत में पड़ी थी। सोसाइटी के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। आनन-फानन में छात्रा को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा की मौत की खबर सुनते ही परिवार और सोसाइटी के लोगों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाकर मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं।

मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रा कुछ समय से मानसिक तनाव में थी। घटना से पहले उसके पिता ने उसे किसी बात को लेकर डांटा था, हो सकता है कि इसी से नाराज होकर उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। हालांकि, परिवार की ओर से किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस ने छात्रा के मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद आत्महत्या की स्पष्ट जानकारी का पता चल सकेगा।

'पत्नी से पीछा छुड़ा दो भगवान...' मन्नत हो गई पूरी तो पति ने की 9KM की दंडवत यात्रा, बोला- नरक से मिला छुटकारा

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। कहते हैं कि शादियों के जोड़े स्वर्ग में बनते हैं और सात जन्मों का साथ निभाने की कसमे खाकर लोग एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, लेकिन बस्ती जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने वैवाहिक सुख की परिभाषा ही बदल दी। यहां एक पति अपनी पत्नी से इस कदर परेशान हुआ कि उसने भगवान से साथ रहने की नहीं, बल्कि 'पीछा छुड़ाने' की मन्नत मांग ली। वहीं मन्नत पूरी होने पर जो हुआ, उससे पूरे इलाके में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

मामला सोनहा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के सुरेश नाम के एक युवक का वैवाहिक जीवन शादी के मात्र 2 साल के भीतर ही कलह की भेंट चढ़ गया। आपसी विवाद और मानसिक तनाव से तंग आकर पति ने पौराणिक मंदिर मां बैड़वा समय माता के दरबार में अरजी लगाई। युवक ने मां से मन्नत मांगी थी कि यदि उसे पत्नी से छुटकारा मिल गया तो वह घर से मंदिर तक दंडवत यात्रा करेगा।

पत्नी से जब कानूनी या सामाजिक रूप से पीछा छूटा तो युवक ने अपनी मन्नत पूरी करने का फैसला किया। सुबह बिना अन्न-जल ग्रहण किए पत्नी से पीड़ित पति ने अपने गांव से भानपुर स्थित माता के मंदिर तक 9 किलोमीटर लंबी यात्रा की। युवक दंडवत होकर मंदिर की चौखट तक पहुंचा। हैरानी की बात यह रही कि इस यात्रा में युवक अकेला नहीं था। उसके माता-पिता और गांव के दर्जनों लोग गाजे-बाजे और माता के जयकारों के साथ उसके पीछे चल रहे थे। समाज में जहां अक्सर टूटे रिश्तों पर मातम मनाया जाता है, यहां एक रिश्ता टूटने की खुशी में भक्ति का सैलाब उमड़ा था।

'अब शांति महसूस कर रहा हूं'

शाम 6 बजे जब वह लहूलुहान घुटनों और थकान से चूर शरीर के साथ मंदिर पहुंचा, तो उसने माता के दर्शन किए और प्रसाद चढ़ाकर आभार व्यक्त किया। युवक के चेहरे पर शारीरिक थकान से ज्यादा मानसिक सुकून की चमक थी। उसने मीडिया और स्थानीय लोगों से बातचीत में बस इतना ही संकेत दिया कि वह अपने वैवाहिक जीवन के नरक से निकलकर अब शांति महसूस कर रहा है। पत्नी पीड़ित पति ने बताया कि वह अपनी पत्नी से प्रताड़ित था, जिससे छुटकारा पाने के लिए उसने कोर्ट में अपील की थी और दो साल केस चलने के बाद आखिरकार आज उसे तलाक मिल गया है। इस फैसले से वो और उसका पूरा परिवार बहुत खुश है। यह घटना आज के दौर में वैवाहिक रिश्तों के गिरते स्तर और बढ़ते मानसिक तनाव का जीवंत उदाहरण है। यहां लोग अपनी पत्नी की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखते हैं। वहीं इस पीड़ति पति की दंडवत यात्रा ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है। क्या अब रिश्तों का बोझ आस्था के सहारे ही उतारा जाएगा?

साथी के चुप रहने से ही नहीं बल्कि ज्यादा हंसी-मजाक करने से भी हो सकता है रिश्ता खराब

बहुत से लोगों का ऐसा मानना है कि रिश्ते में जितना मजाकिया लहजा अपनाएंगे उतना आप दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ता जाएगा। हालांकि, हम अगर कहें कि ऐसा नहीं होता, तो क्या आप मानेंगे। लेकिन असल में ऐसा ही है। रिश्ते में ज्यादा हंसी-मजाक करना सही नहीं है।

बहुत से कपल्स का ऐसा मानना है कि अगर उनके रिश्ते में हंसी-मजाक है, तो एक तो उनके बीच सब कुछ सही चल रहा है। वहीं उनकी बॉन्डिग भी मजबूत है। यही नहीं, कुछ लोग तो ऐसा कहते भी हैं कि रिश्ते में जितना मजाकिया लहजा होगा, प्यार न केवल उतना ज्यादा परवान चढ़ता जाएगा बल्कि टकराव की आशंका भी उतनी ही कम होगी। लेकिन हम कहें कि रिश्ते में हंसी-मजाक कभी-कभार संबंधों में मजबूती की जगह कपल्स के अलग होने का कारण बनता है, तो क्या ये बात आप मानेंगे। नहीं ना..., लेकिन जनाब यही सच है।

दरअसल, कपल्स के बीच हंसी-मजाक वाला व्यवहार कुछ हद तक तो ठीक है, लेकिन एक समय बाद यह रवैया अच्छा नहीं लगता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मजाकिया अंदाज में लोग एक-दूसरे को ताने मारने लग जाते हैं, जिसके बाद न केवल कपल्स के बीच रोष पैदा हो जाता है बल्कि कभी-कभार बात इतनी ज्यादा बिगड़ जाती है कि वो दोनों एक-दूसरे के साथ रहने तक को तैयार नहीं होते।

पहले समझिए मजाक के मायने

सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक केनेथ टैन ने 110 रोमांटिक जोड़ों पर स्टडी की, जिसके बाद उन्होंने बताया कि जिस दिन रोमांटिक जोड़े एक-दूसरे के साथ मजाकिया थे, उस दिन उन्होंने अपने रिलेशनशिप सेटिस्फेक्शन को हाई पाया। वहीं जब वह सीरियस थे, तो उन्हें एक-दूसरे के साथ अच्छा नहीं लगा।

वहीं एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ने अपनी रिसर्च में बताया कि दो पार्टनर्स के बीच हंसी-मजाक की कमी उनके अलग होने का कारण बनता है। ऐसे में रिश्ते में हंसी-मजाक का होना जरूरी है, लेकिन एक हद तक। दरअसल, मजाक में किसी को अपमानित करना या किसी की बेबसी पर हंसी उड़ाना सही नहीं है।

तंज को मजाक का नाम देना सही नहीं

किसी ने ठीक कहा है कि मजाक ऐसा हो, जिसमें बोलने और सुनने वाला दोनों हंसें। ऐसा न हो कि सामने वाला आपकी बात सुनकर बुरी तरह गुस्सा हो जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर रिश्ते में ऐसी स्थिति आई, तो आप दोनों के बीच सबकुछ खराब हो जाएगा। वहीं आपका मजाक पार्टनर के दिल में घर जाएगा।

व्यक्तिगत मुद्दे मजाक के लायक नहीं होते

कभी-कभी मजाक-मजाक में हम ऐसी बातें कह देते हैं, जो दूसरे व्यक्ति को बुरा लग सकती हैं। खासकर जब मजाक किसी की कमजोरी या असुरक्षा पर हो, तो यह बहुत दर्दनाक हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति लगातार मजाक का पात्र बने तो उसे लगता है कि आप उसकी भावनाओं का ख्याल नहीं रखते हैं। इससे उनके बीच विश्वास कम होता है।

कैसे करें हंसी-मजाक को संतुलित?

हर व्यक्ति का सेंस ऑफ ह्यूमर अलग होता है। किसी को जो मजेदार लगता है, वो दूसरे को बुरा लग सकता है। ऐसे में मजाक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपकी बात दूसरे व्यक्ति को कैसी लगेगी। अगर कोई व्यक्ति आपके मजाक पर नाराज हो रहा है, तो उसे समझने की कोशिश करें। यही नहीं, अगर आपने अनजाने में किसी को दुख पहुंचा दिया है, तो माफी मांगने में संकोच न करें। इससे आपका रिश्ता खराब नहीं होगा।

तेजी से वजन कम करने में मदद करेंगे ये 8 नियम

फैट लॉस करने से न सिर्फ दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा कम हो जाता है बल्कि इससे आप डायबिटीज के खतरे को भी रोक सकते हैं। एक्स्ट्रा फैट को हटाने से आप अपनी फिजिकल परफॉरमेंस को बेहतर कर सकते हैं। इससे आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, लेकिन साथ में आपका एनर्जी लेवल भी बढ़ेगा। यही नहीं, फैट लॉस करने से आपकी स्लीप साइकिल भी बेहतर होगी। फैट को कम करने की प्रक्रिया भले ही आसान दिखती हो लेकिन ज्यादा एक्सपोजर की वजह से किसी भी इंसान को इतनी सारी सलाह और इन्फॉर्मेशन एकसाथ मिल जाती है, जिससे और कंफ्युशन बढ़ जाता है कि असल में फैट को कम करने का सही प्रोसेस क्या है।

फिटनेस कोच सुनील शेट्टी ने अपने अधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करके बताया है कि आप जल्द से जल्द फैट लॉस कैसे कर सकते हैं।

फिटनेस एक्सपर्ट से जानिए फैट लॉस टिप्स

कैलोरी को ज्यादा बर्न करिएः आपने जितनी कैलोरी इन्टेक किया है, आपको उससे ज्यादा कैलोरी बर्न करनी है। ऐसे बहुत से एप्स मौजूद हैं जो आपकी डाइट को मॉनिटर करने में आपकी मदद करते हैं। ऐसे में आपको किसी एक एप का रेगुलर इस्तेमाल करना है, जहां आपको ये बताया जाएगा कि आप ऑवरईटिंग से कैसे बचें और अपने खाने के एक्स्ट्रा पोर्शन को कम कैसे करें। एक्स्ट्रा फैट हटाने के लिए आपको रोजाना लगभग 500 कैलोरी बर्न करनी है।

लिक्विड कैलोरी से बचेंः सोडा, जूस और कॉफ़ी में कैलोरी बहुत ज्यादा मात्रा में पायी जाती है। साथ ही, ये ड्रिंक्स आपके भूख को मिटाने में कोई मदद भी करती हैं। आप अपनी डाइट में पानी, ग्रीन टी, ब्लैक कॉफ़ी, या हर्बल चाय को शामिल करिए। अपनी इन ड्रिंक्स में बिना एक्स्ट्रा कैलोरी बढ़ाए आप इसका स्वाद नींबू, खीरा या पुदीना मिलाकर बढ़ा सकते हैं।

हफ्ते में कम से कम 3 बार एक्सरसाइज करिएः स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियों के बनने में मदद मिलती है, जबकि कार्डियो से कैलोरी बर्न होती है। वेट लिफ्टिंग को 20-30 मिनट के कार्डियो के साथ किया जा सकता है, लेकिन ये काम आपको किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करना है। अधिकतम नतीजों के लिए स्क्वाट, डेडलिफ्ट और पुश-अप्स जैसी एक्सरसाइज करिए।

अपने हर मील में प्रोटीन को शामिल करिएः प्रोटीन आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है। इसके अलावा ये मांसपेशियों को सुरक्षित रखता है और मेटाबोलिज्म को बढ़ावा देता है। अंडे, चिकन, मछली, टोफू, दाल और ग्रीक दही प्रोटीन से भरपूर होते हैं। कोशिश करिए कि आप जो भी मील खा रहे हों उसमें कम से कम 20-30 ग्राम प्रोटीन हो।

खूब सारी सब्जियों का सेवन करिएः सब्जियों में कैलोरी कम होती है लेकिन फाइबर अधिक होता है, जिससे आपका पेट भरा रहता है। पालक, ब्रोकोली, गाजर, तोरी और शिमला मिर्च में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। ज़्यादा खाने से बचने के लिए अपनी आधी प्लेट सब्जियों से भरें।

रात में कम से कम 7-9 घंटे की नींद पूरी करिएः अगर आपकी नींद पूरी नहीं हुई है तो आपकी अधूरी नींद भूख बढ़ाने वाले हार्मोन को बढ़ाती है और फैट लॉस को धीमा कर देती है। अगर आप सोने जा रहे हैं तो कुछ बातों का खास ख्याल रखिए। इस दौरान अपने मोबाइल को कम चलाएं और जहां सोने जा रहे हैं, वहां अंधेरा कर लीजिये। अच्छी नींद स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देती है और क्रेविंग्स को कम करती है।

वॉकिंग पर ध्यान दीजिएः वॉकिंग से कैलोरी बर्न होती है और ऑवरऑल एक्टिविटी बढ़ती है। कोशिश करिए कि आप रोजाना 10,000 स्टेप्स जरूर चलें। खाना खाने के बाद थोड़ी देर टहलें और लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को चुनें।

'चाय का नशा' करने वालों को भी नहीं होगा उबाल और तापमान का ज्ञान, आज जान ही लें चाय से जुड़ी जरूरी बातें

चाय नहीं पीने वाले इंसान को भी सर्दी के मौसम में चाय से प्यार हो जाता है। बाकी मौसम की तुलना में ठंड चाय पीने के लिए सबसे बेस्ट होती है। भारत के पानी के बाद अगर कोई लिक्विड सबसे ज्यादा पीया जाता है तो चाय का नाम ही आता है। कुछ लोगों की सुबह चाय के बिना होती ही नहीं है, जबकि कुछ लोग सुबह से लेकर शाम तक चाय पीते रहते हैं।

चाय को लोग अलग-अलग तरीके से बनाते हैं, इसलिए स्वाद भी अलग होता है। मगर, चाय को बहुत देर तक उबालना ठीक नहीं होता है, यह हेल्थ के लिए हानिकारक मानी जाती है। अब चाय को कितनी देर तक उबालना सही रहता है इसके बारे में हम आपको बताने वाले हैं। इसके अलावा आप चाय पीने का सही तापमान भी जान लीजिए।

दूध डालने के बाद चाय उबालने का समय

अच्छी और कड़क चाय पीना है तो इसे दूध डालने के बाद 2-3 मिनट तक उबालना चाहिए। अगर आप ज्यादा देर तक चाय को उबालेंगे तो स्वाद कड़वा हो सकता है। इस दौरान ध्यान रहे कि अगर दूध गर्म है तो समय और कम लगेगा। इस सिचुएक्शन में आपको 2-3 मिनट की जगह 2 से 3 उबाल आने तक ही पकाना है। इसके अलावा अच्छी चाय पीने के लिए आपको अदरक डालने का सही समय भी पता होना चाहिए।

ब्लैक टी के लिए टाइमिंग

अगर आप बिना दूध की चाय बना रहे हैं तो इसके उबाल की टाइमिंग का भी ध्यान रखें। इसे आपको सिर्फ 2 से 3 मिनट तक उबालना चाहिए, अगर आप बहुत ज्यादा कड़क पीते हैं तो आप 5 मिनट तक भी उबाल सकते हैं। वहीं ग्रीन टी को उबालने की जरूरत नहीं होती है आपको सिर्फ पानी गर्म करना होता है। तो उसके बाद इस तरह की कोई परेशानी नहीं होगी।

चाय बनाने का सबसे बेस्ट तरीका

चाय बनाना हर किसी को आती है मगर ब्रिटिश स्टैंडर्ड इंस्टिट्यूशन का आइडियल तरीका शायद सबको पता ना हो। जबकि यह सबसे बेस्ट तरीका माना गया है। इसके लिए एक बर्तन में सिर्फ दूध उबालें और एक बर्तन में पानी रख दें। पानी और दूध की मात्रा अलग-अलग बर्तन में बराबर होना चाहिए।

पानी गर्म होने पर चायपत्ती डालना है।

जब चायपत्ती उबल जाए तो चीनी मिलाना है। ध्यान रहे चाय पत्ती की मात्रा चीनी से कम होना चाहिए। अब स्वादानुसार अदरक, लॉन्ग, काली मिर्च डाल दें, चाहें तो इन्हें अपनी पसंद के हिसाब से स्किप कर सकते हैं। चाहें तो चाय का मसाला भी इस्तेमाल कर सकते हैं। चाय जब अच्छे से उबल जाए तो इसमें उबले हुए दूध को डाल दें। फिर एक उबाल आने के बाद छान लें।

किस तापमान में चाय करें सर्व?

चाय बनाकर लोग फटाफट कप में डालने के बाद सर्व कर देते हैं, जबकि इतनी गर्म चाय पीने से मुंह जल सकता है। हालांकि, कई लोगों को गरमा गरम चाय की चुस्की लेने में मजा भी आता है। कुछ रिपोर्ट के मुताबिक चाय को हमेशा लगभग 60 डिग्री सेल्सियस पर सर्व करना चाहिए। इस तापमान पर चाय न तो बहुत गर्म होती है और ना ही बिल्कुल ठंडी। इस चाय को आप आराम से चुस्की लेकर पी सकते हैं।

'55 लाख से ज्यादा सिलिंडर हुए वितरित', केंद्र सरकार बोली- एलपीजी आपूर्ति सामान्य

एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी की जांच के लिए कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में छापेमारी जारी है। शनिवार को लगभग 2,900 छापेमारी की गई और लगभग 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए। वहीं, कुछ राज्यों में पेट्रोल पंप पर घबराहट में खरीदारी के कारण असामान्य रूप से उच्च बिक्री और भारी भीड़ देखी गई। इस पर सरकार ने कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया है कि देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति सामान्य है। शनिवार को 55 लाख से अधिक एलपीजी सिलिंडर वितरित किए गए। इसके साथ ही 64,000 पांच किलोग्राम के फ्री-ट्रेड सिलिंडरों की बिक्री भी हुई। मंत्रालय के अनुसार, किसी भी एलपीजी वितरक पर स्टॉक खत्म होने (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं है।

ऑनलाइन बुकिंग में बढ़ोतरी

उद्योग स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वितरकों के स्तर पर किसी भी तरह के विचलन को रोकने के लिए, डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी का प्रतिशत फरवरी में 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है।

रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कर रहीं काम

सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है। घरेलू खपत का समर्थन करने के लिए रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। देश भर में सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

सरकार ने उपभोक्ताओं से की क्या अपील?

सरकार ने उपभोक्ताओं से एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन करने और एलपीजी वितरकों के पास जाने से बचने का आग्रह किया है। नागरिकों से वैकल्पिक ईंधनों जैसे पीएनजी और इंडक्शन/इलेक्ट्रिक कुकटॉप का उपयोग करने का भी अनुरोध किया गया है। सरकार ने कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक उपयोग में ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करें।

6,000 पीएनजी ग्राहकों ने छोड़ा एलपीजी कनेक्शन

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नीरज मित्तल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹कल तक लगभग 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दिया। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद! आप भी उन नेक नागरिकों के इस मजबूत और साहसी समूह में शामिल हों, जिन्होंने बिना पीएनजी वाले लोगों को एलपीजी दिलाने में मदद करने के लिए एलपीजी कनेक्शन का उपयोग बंद कर दिया है।'

पर्सनल लोन के लिए कर रहे हैं अप्लाई? पहले जान लें ये 5 जरूरी बातें, वरना रिजेक्ट हो सकता है आपका आवेदन

त्योहारी सीजन हो या कोई आकस्मिक जरूरत, पर्सनल लोन अक्सर एक आसान समाधान लगता है। लेकिन बिना पूरी जानकारी के लोन के लिए आवेदन करना न केवल आपके आवेदन को खारिज करा सकता है, बल्कि आपके क्रेडिट स्कोर पर भी बुरा असर डाल सकता है। बैंक और वित्तीय संस्थान (फिनटेक कंपनियां) लोन देने से पहले कुछ प्रमुख मानकों पर आपकी प्रोफाइल को परखते हैं। यदि आप इन बातों को पहले से जानते हैं, तो आप न केवल अपनी लोन की मंजूरी की संभावना बढ़ा सकते हैं, बल्कि बेहतर ब्याज दरों का लाभ भी उठा सकते हैं।

आइए जानते हैं वो 5 मुख्य बातें, जिन पर बैंक सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं :

आपकी सैलरी और आय की स्थिरता

कोई भी बैंक या कंपनी सबसे पहले यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आपके पास लोन चुकाने के लिए एक नियमित और स्थिर आय स्रोत है। आपकी मासिक आय जितनी अधिक और स्थिर होगी, लोन मंजूर होने की संभावना उतनी ही बढ़ जाएगी। अगर आप किसी एक ही कंपनी में 1-2 साल से नौकरी कर रहे हैं, तो इसे एक सकारात्मक संकेत माना जाता है। स्वरोजगार करने वाले लोगों को अपनी आय साबित करने के लिए टैक्स रिटर्न और अन्य वित्तीय दस्तावेज दिखाने पड़ते हैं।

क्रेडिट स्कोर है सबसे अहम

पर्सनल लोन की मंजूरी में आपका क्रेडिट स्कोर सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 750 या उससे अधिक का क्रेडिट स्कोर बहुत अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि आपने अपने पिछले कर्जों का भुगतान समय पर किया है। यदि आपके रिकॉर्ड में कोई डिफॉल्ट, देर से भुगतान या हाल ही में बहुत ज्यादा लोन आवेदन हैं, तो आपकी एप्लिकेशन खारिज हो सकती है।

मौजूदा कर्ज और देनदारियां

बैंक यह भी जांचते हैं कि आपकी मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही श्वरूढ्ढ में जा रहा है। इसे 'डेट-टू-इनकमÓ (ष्ठञ्जढ्ढ) रेशियो कहते हैं। अगर आपकी आय का 40-50त्न से अधिक हिस्सा पहले से ही किस्तों में जा रहा है, तो नया लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए, नया लोन लेने से पहले पुराने छोटे कर्जों को चुका देना एक समझदारी भरा कदम है।

उम्र और चुकाने की क्षमता

लोन देने में आपकी उम्र भी एक महत्वपूर्ण कारक है। युवा आवेदकों को कम जोखिम वाला माना जाता है क्योंकि उनके पास कमाई के लिए लंबा कामकाजी जीवन होता है। आमतौर पर, बैंक 21 से 60 वर्ष की आयु के आवेदकों को प्राथमिकता देते हैं। लोन चुकाने की अवधि भी अक्सर आपकी सेवानिवृत्ति की आयु को ध्यान में रखकर तय की जाती है।

आप कहाँ काम करते हैं (नियोक्ता की प्रोफाइल)

आप किस कंपनी या संस्थान में काम करते हैं, इसका भी आपकी लोन एप्लिकेशन पर सीधा असर पड़ता है। एक प्रतिष्ठित, स्थिर और बड़ी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों का लोन आवेदन जल्दी मंजूर होता है। इसके अलावा, डॉक्टर, इंजीनियर या चार्टर्ड अकाउंटेंट (ष्ट्र) जैसे पेशेवरों को बैंक अधिक भरोसेमंद मानते हैं और उन्हें आसानी से लोन दे देते हैं।

चीन-उत्तर कोरिया के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू, कोरोना महामारी की शुरुआत से थी बंद

बीजिंग। चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर चाइना ने सोमवार को राजधानी बीजिंग और उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी। यह कदम दोनों देशों के बीच यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के कुछ ही समय बाद उठाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की इस उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग याजुन और अन्य राजनयिकों ने किया। इससे पहले, 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा भी दोबारा शुरू की गई थी।

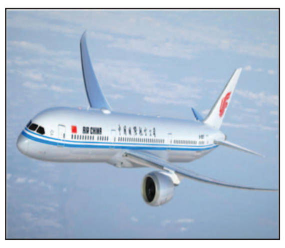

कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से चीन ने उत्तर कोरिया के लिए उड़ान और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दीं थी। हालांकि, उत्तर कोरिया की एयरलाइन एयर कोरियो ने 2023 में ही दोनों देशों की राजधानियों के बीच उड़ान सेवा बहाल कर दी थी। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने सभी विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन अब वह धीरे-धीरे इन पाबंदियों में ढील दे रहा है। 2024 में रूस के पर्यटक समूहों ने उत्तर कोरिया का दौरा शुरू कर दिया था।

उत्तर कोरिया जाने वाले पर्यटकों में 90 फीसदी चीनी पर्यटक की संख्या थी

प्रतिबंध से पहले उत्तर कोरिया आने वाले कुल पर्यटकों में लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी चीनी पर्यटकों की थी। ऐसे में चीनी पर्यटकों की वापसी में हो रही देरी ने विशेषज्ञों को चौंकाया था। अब ट्रेन और हवाई सेवाओं की बहाली से चीनी पर्यटकों की उत्तर कोरिया में आमद बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

चीन और उत्तर कोरिया के संबंध मजबूत

चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और प्रमुख सहयोगी है। हालांकि, बीजिंग ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए मिसाइल परीक्षणों पर असंतोष भी जताया है, जो दक्षिण कोरिया और अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम हो सकते हैं। इस बीच, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सितंबर में बीजिंग का दौरा किया था और एक भव्य सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यह दशकों में पहली बार था जब किसी उत्तर कोरियाई नेता ने चीनी सैन्य परेड में शिरकत की थी।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइल का हमला, यूएन शांति रक्षक दल के इंडोनेशियाई सैनिक की मौत

जकार्ता/बेरुत, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी गांव अदशित अल-कुसैर में इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी की चपेट में आने से इंडोनेशिया के एक शांति रक्षक की मौत हो गई। यह सैनिक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (UNIFIL) की इंडोनेशियाई इकाई में तैनात था। रिपोर्टों के अनुसार, रविवार को हुई इस गोलाबारी में शांति सेना के कई कर्मचारी घायल हुए हैं। हमले के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र के हेलीकॉप्टर प्रभावित इलाके की ओर जाते देखे गए। यह हमला लेबनान और इस्राइल सीमा पर जारी गोलीबारी और बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (UNIFIL) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि अदशित अल-कुसैर के पास एक

धमाके में उनके एक शांति रक्षक की जान चली गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। संगठन ने कहा कि शांति के लिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। शांति रक्षकों पर जानबूझकर किए गए हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का गंभीर उल्लंघन हैं। ऐसे हमलों को युद्ध अपराध माना जा सकता है। संगठन ने जोर देकर कहा कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए।

इंडोनेशिया ने घटना की निंदा की

इंडोनेशिया ने अपने सैनिक की मौत की पुष्टि की है और इस घटना की कड़ी निंदा की है। इंडोनेशियाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वे अपने शांति रक्षक की मौत और तीन अन्य के घायल होने से बेहद दुखी हैं। सरकार ने शहीद सैनिक के प्रति सम्मान व्यक्त किया और उनके परिवार के लिए प्रार्थना की। इंडोनेशिया अब संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर शहीद के पार्थिव शरीर को वापस लाने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था कर रहा है।

इंडोनेशिया ने घटना के जांच की मांग की

इंडोनेशिया ने इस घटना की पारदर्शी जांच की मांग की है। सरकार ने इस्राइल के इन हमलों की निंदा करते हुए सभी पक्षों से लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा है। उन्होंने आम लोगों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने की अपील की है। इंडोनेशिया का कहना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना चाहिए।

पाकिस्तानी आतंकवाद पर आंखें मूंद रहा अमेरिका, इससे भारत में नाराजगी, संबंधों पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए।

अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में अहम दावा

इस सप्ताह थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी

सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। 'रिपेयरिंग द ब्रीचः गेटिंग यूएस-इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और संबंधों को सुधारने में समय लगेगा। लिसा कर्टिस, कीर्ति मार्टिन और सितारा गुप्ता द्वारा लिखित इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत-अमेरिका संबंध गंभीर रूप से डगमगा गए थे। इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर मतभेद और भारतीय सामान पर अमेरिका द्वारा लगाया गया भारी-भरकम टैरिफ जैसे मुद्दे शामिल थे।

व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति से फिर से पटरी पर लौटे संबंध

रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 में अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने से दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की गई है, लेकिन विश्वास बहाली के लिए लगातार प्रयास करने जरूरी होंगे। रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि भारत और अमेरिका के आर्थिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंध भले ही मजबूत बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर मतभेद अभी भी मूलभूत बने हुए हैं।

पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद को लेकर भारत निराश

रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली, पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद पर अमेरिका द्वारा ध्यान न दिए जाने से निराश है। रिपोर्ट में कश्मीर मुद्दे पर किसी भी बाहरी हस्तक्षेप के प्रति भारत के लंबे समय से चले आ रहे विरोध को भी फोकस किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अमेरिका की ओर से मध्यस्थता के संकेत देने वाले बयान आपसी विश्वास को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। संबंधों को सुधारने के लिए रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि अमेरिका को भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की बात करने से बचना चाहिए और आपसी सहमति वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दोनों देश रक्षा सहयोग को कर रहे लगातार मजबूत

हालांकि, रिपोर्ट में रक्षा सहयोग में तेजी से आ रही मजबूती का भी उल्लेख किया है। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष 10 वर्षीय रक्षा ढांचा समझौते का नवीनीकरण किया, जिसमें खुफिया जानकारी साझा करना, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग शामिल है। आर्थिक संबंधों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। इस वर्ष की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते में टैरिफ में कमी और प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की प्रतिबद्धता शामिल है। रिपोर्ट में ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और उन्नत प्रौद्योगिकियों—जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर को आपसी सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बताया गया है। इसमें कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत के सुधार और महत्वपूर्ण खनिजों में निवेश, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में दोनों देश काम कर रहे हैं, खासकर तब जब दोनों देश चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

साथ ही, भारत की डिजिटल अवसंरचना और डेटा सेंटर में अमेरिका का निवेश दीर्घकालिक तकनीकी परस्पर निर्भरता को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट में क्या दी गई है चेतावनी?

हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि जब तक राजनीतिक अविश्वास को दूर नहीं किया जाता, तब तक इन उपलब्धियों पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में आतंकवाद-रोधी सहयोग पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत बताई गई है, जिसमें आतंक के वित्तपोषण को रोकना और वैश्विक मंचों पर समन्वय बढ़ाना शामिल है। अंत में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, हिंद प्रशांत क्षेत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन तय करने में अहम होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस साझेदारी की गुणवत्ता यह तय करेगी कि क्षेत्र में शक्ति संतुलन बना रहेगा या चीन प्रमुख ताकत के रूप में उभरेगा।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस उम्मीदवार का नाम एसआईआर लिस्ट से गायब, हाई कोर्ट ने कहा- अब सीधे सुप्रीम कोर्ट जाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर की शुरुआत के बाद अब तक विवाद जारी है इस बार मुर्शिदाबाद के फरक्का से कांग्रेस उम्मीदवार के वकील मोहताब शेख ने कलकत्ता हाई कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया है याचिकाकर्ता का दावा है कि उम्मीदवार के पद की घोषणा हो जाने के बावजूद उनका नाम एसआईआर सूची में नहीं है उन्होंने हाई कोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है इस पर कोर्ट ने उन्हें सर्वोच्च न्यायालय जाने को कहा है

कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई कर रहा है एससी ने आदेश दिया है कि कोई भी हाई कोर्ट एसआईआर मामलों की सुनवाई नहीं कर सकता कलकत्ता हाई कोर्ट भी सुप्रीम कोर्ट के

आदेशानुसार केवल प्रशासनिक कार्यों की निगरानी कर रहा है इसलिए, याचिकाकर्ता को एससी में याचिका दाखिल करनी होगी महताब शेख अब इस मामले को 1 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेंगे

टीएमसी ने चुनाव आयोग पर लगाया आरोप

गौरतलब है कि काजल शेख और शशि पांजा समेत तृणमूल के 11 उम्मीदवारों के नाम विशेष मतदाता सूची (एसआईआर) में विचाराधीन थे हालांकि दूसरी एसआईआर सूची में काजल शेख और शशि पांजा के नाम शामिल कर लिए गए, लेकिन बाकी 9 नामों पर अभी भी विचार चल रहा है इससे मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है तृणमूल ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने उत्तर कोलकाता के मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के नाम 'सत्यापन' के लिए अलग रख दिए हैं

ममता बनर्जी चुनावी जनसभाओं में उठाया मुद्दा

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी जनसभा में सीधे तौर पर यह मुद्दा उठाया उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर जानबूझकर विजयी तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची से हटाने या उसे जटिल बनाने की कोशिश कर रहा है सूत्रों के अनुसार, तृणमूल इस संबंध में चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपेगी हालांकि, चुनाव आयोग ने अभी तक इस संबंध में किसी भी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी है

अब दिल्ली में पानी की समस्या का तुरंत समाधान, एआई करेगा शिकायतों का निपटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार जल बोर्ड के उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कि AI का इस्तेमाल करने जा रही है। दिल्ली जल बोर्ड आज उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए चैटबॉट, एडवांस्ड CRM और DJB1916 ऐप को लॉन्च किया। दिल्ली जल बोर्ड के करोल बाग स्थित दफ्तर में दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा और अधिकारी आज समर एक्शन प्लान जिसमें गर्मियों के दिनों में दिल्ली में जल आपूर्ति को लेकर रोड मैप और लोगों की समस्याओं के लिए आधुनिक ऐप लॉन्च कर दिया।

इस अवसर पर दिल्ली जल बोर्ड (DJB) अपनी वेबसाइट पर डिजिटल सेवाओं का एक इंटीग्रेटेड पैकेज लॉन्च किया इसमें एक चैटबॉट, एक एडवांस्ड CRM और DJB 1916 ऐप शामिल हैं। दिल्ली सरकार के मुताबिक, ये सभी टूल्स मिलकर एक एकीकृत, जियो-इंटेलिजेंट शिकायत-निवारण इकोसिस्टम बनाएंगे। इससे नागरिकों के लिए जानकारी प्राप्त करना, सेवाओं का लाभ उठाना और अपनी

शिकायतों का तुरंत समाधान पाना आसान हो जाएगा।

दिल्ली सरकार के मुताबिक, इस पहल का उद्देश्य नागरिक सेवाओं को ज्यादा सुलभ और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए तुरंत समाधान प्रदान करना और पारदर्शिता और परिचालन दक्षता को बढ़ाना है। दिल्ली सरकार का दावा है कि चैटबॉट के माध्यम से उपभोक्ताओं की तत्काल मदद, बेहतर निगरानी और DJB 1916 ऐप के जरिए सेवाओं तक आसान पहुंच होगा।

इस ऐप के जरिए जो काम पहले 3 मिनट में होता था वह 3 सेकंड में होगा। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने लॉन्च किया। मेंटेनेंस स्टाफ वेबसाइट पर अपलोड रहेगा। कॉलोनी वाइस वाटर सप्लाई शेड्यूल पब्लिक रहेगा। टैंकर की व्यवस्था 8700 फिक्स्ड पॉइंट पर थी अब 13000 प्वाइंट होंगे। 865 MGD प्रोडक्शन 165 ग्राउंड वाटर से प्रोडक्शन होगा। टेल प्वाइंट पर टैंकर की व्यवस्था बेहतर की जा रही है, जहां भी टैंकर जाएगा ड्राइवर एप के जरिए ड्राइवर फोटो अपलोड करेगा ये जरूरी होगा।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि जब 13 महीने पहले हमारी सरकार बनी तब मेरे मन में एक सपना था। उन्होंने कहा कि जब मैं यमुना मैया को गंदा देखता था तब मैंने उन्हें कई बार बोला मुझे अपनी सेवा करने जा मौका दीजिए और मुझे यही विभाग मिला। उन्होंने कहा कि इस लिए मैं अपने आप को बड़ा खुशनसीब मानता हूं। उन्होंने कहा कि कलयुग में पानी पिलाना बड़े पुण्य का काम है।

दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर, बेटे को दिया जन्म, सोशल मीडिया पर शेयर की गुड न्यूज

अभिनेत्री सोनम कपूर के परिवार का विस्तार हो गया है। अभिनेत्री ने आज 29 मार्च 2026 को दूसरे बेटे को जन्म दिया है।

सोनम कपूर और आनंद आहूजा के परिवार में नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। एक्ट्रेस ने आज रविवार 29 मार्च को दूसरी संतान के रूप में बेटे का स्वागत किया है। बता दें कि कपल के पहले से एक बेटा वायु है। सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर फैंस के साथ खुशखबरी शेयर की है। साथ ही दुआओं के लिए शुक्रिया कहा है।

सोनम और आनंद ने शेयर किया साझा पोस्ट

सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने आज रविवार को इंस्टाग्राम पर एक साझा पोस्ट शेयर किया है। इसमें बेटे के जन्म की खबर साझा करते हुए उन्होंने लंबा नोट लिखा है। कपल ने लिखा है, 'बेहद कृतज्ञता और प्यार से भरे दिलों के साथ हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज 29 मार्च 2026 को हमारे घर एक नन्हे बेटे का आगमन हुआ है'।

लिखा- 'वायु को मिला छोटा भाई'

कपल ने आगे लिखा है, 'हमारा परिवार अब और बड़ा हो गया है। हमारे दूसरे बेटे के जन्म से हमारे दिल भी एक बेहद खूबसूरत तरीके से और विशाल हो गए हैं। वायु अपने छोटे भाई का स्वागत करके बहुत खुश है। हम इस अनमोल नई जान के लिए खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करते हैं, जिसने हमारे घर को खुशियों और आशीर्वाद से भर दिया है। हम चार लोगों के परिवार के रूप में इस खूबसूरत नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए ईश्वर के आभारी हैं। सोनम, आनंद और वायु की तरफ से आप सभी को ढेर सारा प्यार और शुक्रिया'।

करीना से दीया मिर्जा तक, सेलेब्स ने दी बधाई

सोनम कपूर के घर नन्हे मेहमान के आगमन की खबर पाकर फैंस बधाई दे रहे हैं। साथ ही सेलेब्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। सोनम कपूर से लेकर परिणीति चोपड़ा, दीया मिर्जा सहित कई सेलेब्स ने कमेंट कर बधाई दी है।

चार्मिंग स्टार शारवा, मालविका नायर की फिल्म बाइकर का ट्रेलर रिलीज, 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार

आकर्षक स्टार शरवा अभिलाष रेड्डी द्वारा निर्देशित और यूवी क्रिएशन्स द्वारा निर्मित हाई-ऑक्टेन रेसिंग ड्रामा बाइकर की रिलीज के लिए तैयार हैं। भारत की पहली पूर्ण-स्तरीय मोटोक्रॉस एडवेंचर फिल्म के रूप में प्रचारित, जिसमें एक मजबूत भावनात्मक पहलू भी शामिल है, यह फिल्म 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। टीम ने डॉल्बी सिनेमा, ईपीआईक्यू, 4डीएक्स और पीसीएक्स सहित प्रीमियम फॉर्मेट में भव्य रिलीज की भी पुष्टि की है, जिससे इस एक्शन से भरपूर फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। झलकियाँ, गाने और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से जबरदस्त चर्चा बटोरने के बाद, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी कर दिया है।

ट्रेलर शुरू होते ही सब कुछ साफ हो जाता है। इसकी शुरुआत एक विदेशी स्पोर्ट्स एंकर के इस सवाल से होती है कि क्या भारतीय रेसर वैश्विक प्रतिभाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। यहीं से विक्की को एक ऐसे राइडर के रूप में पेश किया जाता है जो अनुशासन से गढ़ा गया है, लेकिन साथ ही अनसुलझे संघर्षों से भी घिरा हुआ है। उसकी सबसे कठिन लड़ाई ट्रैक पर नहीं, बल्कि उस व्यक्ति से है जिसने उसे पाला-पोसा और प्रशिक्षित किया - उसके पिता से। उनके बीच का तनावपूर्ण रिश्ता ही कहानी का भावनात्मक तूफान बन जाता है।

शारवा ने इस भूमिका में पूरी निष्ठा के साथ खुद को ढाल लिया है। दुबले-पतले, चुस्त-दुरुस्त और जोशीले अंदाज में, उन्होंने एक रेसर की शारीरिक कुशलता को बखूबी दर्शाया है, साथ ही एक ऐसे बेटे की भावनात्मक गहराई को भी बखूबी पेश किया है जो खुद को साबित करने के लिए बेताब है। उनका अभिनय सहजता से विस्फोटक तीव्रता और शांत संवेदनशीलता के बीच बदलता रहता है।

राजशेखर ने एक सख्त पिता-मार्गदर्शक के रूप में दमदार भूमिका निभाई है और उनकी वापसी में उन्हें इस तरह की गहन भूमिका में देखना अच्छा लगता है। मालविका नायर ने विक्की की उथल-पुथल भरी दुनिया में शांति का भाव दिखाया है। अतुल कुलकर्णी ने नकारात्मक पहलुओं से भरपूर भूमिका निभाई है। पूरी कास्ट ने मिलकर एक ऐसा ड्रामा रचा है जो अंतरंगता और रोमांच से भरपूर दोनों ही पहलुओं को दर्शाता है।

ट्रेलर बेहद आकर्षक है। जे युवराज की सिनेमैटोग्राफी ने मोटोक्रॉस की धूल, खतरे और रफ्तार को बखूबी कैद किया है, वहीं घिब्रान का दमदार संगीत हर रेस को रोमांच से भर देता है। यूवी क्रिएशन्स की निर्माण कुशलता हर फ्रेम में झलकती है - भव्य, प्रभावशाली और सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार।

ब्रेक नहीं, सिर्फ टक्कर, बाइकर का ट्रेलर एक हाई-वोल्टेज रोमांच का वादा करता है जो आम स्पोर्ट्स ड्रामा से बिल्कुल अलग है। ट्रेलर ने फिल्म के प्रति उम्मीदों को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। 4डीएक्स में ट्रेलर देखने वाले मीडियाकर्मी इसके विश्व स्तरीय दृश्यों और बेहतरीन साउंड डिज़ाइन से मंत्रमुग्ध हो गए।

धुरंधर की सफलता के बाद अब बादशाह की सवारी करेंगी सौम्या टंडन, शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म धुरंधरः द रिवेंज को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है।

सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं।

सौम्या ने लिखा, पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।

सौम्या ने लिखा, पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम बादशाह है।

सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं। अंत में सौम्या ने लिखा, फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com